Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 181
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार ,30 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 बीएचयू के रुइया छात्रावास के छात्र की पिटाई
5 सर्दी में क्या खाएं? ये सुपरफूड्स शरीर को अंदर से
7 महिलाओं को लेकर दिए बयान पर ट्रोल हुई

योगी कैबिनेट बैठक में 30 प्रस्तावों पर लगी मुहर

शिक्षकों और शिक्षामित्रों को मिली कैशलेस मेडिकल सुविधा

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी में आज गुरुवार को सुबह 11 बजे लोकभवन में सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ आज शिक्षकों और शिक्षामित्रों को बड़ा तोहफा दिया। जिसमें आज प्रदेश में राज्य कर्मचारियों की तरह सरकार शिक्षकों को कैशलेस ट्रीटमेंट की सुविधा भी लागु की गई और इस प्रस्ताव को योगी सरकार ने मंजूरी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 32 प्रस्तावों में से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उत्तर प्रदेश के लगभग 15 लाख शिक्षकों को कैशलेश चिकित्सीय सुविधा का तोहफा योगी सरकार ने दिया है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई है। बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़े अहम फैसले भी लिए गए। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत सभी शिक्षकों को अब कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। यह सुविधा आयुष्मान योजना के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जिससे लगभग 12 लाख शिक्षक लाभान्वित होंगे। इस निर्णय से शिक्षकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित होगा। वहीं, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी ने जानकारी दी कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले लगभग तीन लाख शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है और यह निर्णय उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। कैबिनेट के इन फैसलों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का हिस्सा माना जा रहा है, जिससे प्रदेश के लाखों शिक्षकों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी सामाजिक सुरक्षा मजबूत होगी। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वास को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी है। वरिष्ठ मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह परिवार फिलहाल मेरठ जिले में झील की जमीन पर अवैध रूप से रह रहे हैं। मंत्रिमंडल बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए,वित्त और संसदीय कार्य मंत्री खन्ना ने कहा कि अभी मेरठ की मवाना तहसील के नगला गोसाई गांव में रह रहे इन परिवारों को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के पालन में दूसरी जगह बसाया जाएगा।

तीन साल तक भूमि का इस्तेमाल नहीं किया तो आवंटन होगा निरस्त

संशोधन को मंजूरी

देहरादून (एजेंसी)। कैबिनेट में प्राग फॉर्म औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन में संशोधन को मंजूरी मिल गई है तीन साल तक भूमि का इस्तेमाल नहीं किया गया तो आवंटन निरस्त हो जाएगा। उद्योग लगाने के लिए आवंटित भूमि का तीन साल तक इस्तेमाल नहीं किया गया तो आवंटन निरस्त किया जाएगा। लेकिन औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से राजस्व विभाग की सहमति से पट्टे पर आवंटित भूमि को समान कार्य के लिए उप पट्टा करने का अधिकार पट्टेदार को होगा। ऊधमसिंह नगर जिले के प्राग फार्म की 1354.14 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए सिडकुल को हस्तांतरित की गई। पूर्व में जारी आदेश के अनुसार आवंटित भूमि को किसी व्यक्ति, संस्थान या संगठन को बेचने व पट्टे पर देने के अलावा किसी अन्य प्रकार से हस्तांतरित करने का अधिकार पट्टेदार को नहीं होगा। लेकिन अब सरकार ने औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से राजस्व विभाग की सहमति से पट्टे पर आवंटित भूमि को समान प्रयोजन के लिए उप पट्टा करने का अधिकार पट्टेदार को होगा। भूमि का उपयोग आवंटन तिथि से तीन वर्ष की अवधि में करना अनिवार्य होगा। भूमि का इस्तेमाल न करने पर आवंटन निरस्त किया जाएगा।

आगरा में ताबड़तोड़ एनकाउंटर, पुलिस मुठभेड़ में मारा गया राज चौहान हत्याकांड का आरोपी

आगरा (एजेंसी)। पुलिस के एक अधिकारी की पिस्तौल छीनकर पुलिस दल पर गोली चलाने का आरोपी बृहस्पतिवार तड़के आगरा में एक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 23 जनवरी की रात आगरा के ट्रांस यमुना पुलिस स्टेशन क्षेत्र में राज चौहान नामक युवक की गोली मारकर की गई हत्या से जुड़ी है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, हत्या के संबंध में मामला दर्ज किया गया था और मामले की जल्द जांच के लिए पुलिस उपायुक्त (नगर) सैय्यद अली अब्बास की देखरेख में नौ पुलिस दल बनाए गए थे। जांच के दौरान मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान आगरा जिले के खंदौली निवासी अरबाज खान उर्फ मंसूरी के रूप में हुई। बयान में कहा गया है कि गिरफ्तारी के बाद, आरोपी को अपराध में इस्तेमाल देसी पिस्तौल बरामद करने के लिए ले जाया जा रहा था, तभी बृहस्पतिवार तड़के उसने कथित तौर पर एक पुलिस उप-निरीक्षक (एसआई) की सरकारी पिस्तौल छीन ली और पुलिस पार्टी पर गोली चलाते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में कांस्टेबल मनोज कुमार और एसआई ऋषि घायल हो गए।

बर्फबारी के बाद कश्मीर में ठंड ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में भीषण ठंड पड़ रही है क्योंकि अधिकांश स्थानों पर रात का तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया। हालांकि, श्रीनगर समेत कई जगहों पर रात का तापमान उम्मीद से ज्यादा गर्म दर्ज किया गया। शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के 0.1 डिग्री सेल्सियस से कम था। अधिकारियों ने बताया कि रात का तापमान मौसम के सामान्य तापमान से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक था। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले का सोनमर्ग जम्मू कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां का न्यूनतम तापमान शून्य से 11.2 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया, जो पिछली रात के तापमान से कम रहा। गत रात्रि तापमान शून्य से 9.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से नौ डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

दिल्ली में 5 स्कूलों को मिली बम की धमकी, डीएफएस ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में वीरवार सुबह पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की ईमेल के जरिये मिली धमकियां जांच के बाद अफवाह साबित हुईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, इन धमकियों के बारे में उन्हें सुबह करीब 8.30 बजे सूचना मिली जिसके बाद कई सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और परिसरों की व्यापक तलाशी ली गई। डीएफएस ने पुष्टि की कि दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित लॉरेटो कॉन्वेंट, चित्तरंजन पार्क के डॉन बोस्को तथा आनंद निकेतन और द्वारका में स्थित कार्मल कॉन्वेंट स्कूल परिसरों को धमकियां मिली थीं। वहीं, दिल्ली के लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय ने अभिभावकों को एक संदेश भेजकर घटना के बारे में सूचित कर दिया था। इसी के साथ पुलिस और दमकल विभाग को भी सूचना दी थी जिसके बाद सभी परिसर को खाली कराकर जांच की गई। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

नाराजगी के बीच संसद भवन में खरगे और राहुल गांधी से मिले शशि थरूर

कहा- हम साथ-साथ हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की तथा कहा कि सब कुछ ठीक है और सब एक साथ हैं। खरगे के संसद भवन स्थित कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। कांग्रेस नेतृत्व ने केरल के अपने इस वरिष्ठ नेता की नाराजगी दूर करने का प्रयास ऐसे वक्त किया है, जब कुछ महीने बाद राज्य में विधानसभा चुनाव होना है, जो पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। केरल में इस साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव संभावित है। पार्टी 2016 से राज्य में विपक्ष की भूमिका में है। कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं के साथ मुलाकात के बाद थरूर ने संवाददाताओं से कहा, अपनी

पार्टी के दो नेताओं- नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) और कांग्रेस अध्यक्ष (खरगे)- के साथ बात की। हमारी बातचीत बहुत अच्छी, सार्थक, सकारात्मक रही। सब ठीक है और हम सब एक साथ हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह खुश हैं और अब चुनाव प्रचार करेंगे तो उन्होंने कहा, मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है, मैंने कहां प्रचार नहीं किया है? मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के बारे में पूछे जाने पर तिरुवनंपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, श्नहीं, उस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पहले से ही मैं सांसद हूं और मेरे ऊपर तिरुवनंतपुरम के अपने मतदाताओं का विश्वास है तथा मुझे संसद में उनके हितों का ध्यान रखना है, यही मेरा काम है। बाद में थरूर ने एक्स पर राहुल गांधी और खरगे के साथ एक तस्वीर साझा की और कहा, आज कई विषयों पर गर्मजोशी से चर्चा हुई और सार्थक चर्चा के लिए खरगे जी तथा राहुल गांधी जी का धन्यवाद। भारत के लोगों की सेवा के लिए हम सब एकसाथ हैं। थरूर पिछले कुछ समय से नाराज थे और इसके चलते बीते 23 जनवरी को केरल से संबंधित बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

केंद्र को कमेटी बनाने का दिया आदेश, कहा, इसकी भाषा में स्पष्टता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने फिलहाल यूजीसी के नए रेगुलेशन पर रोक लगा दी है और स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि तब तक 2012 के यूजीसी रेगुलेशन ही लागू रहेंगे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में सुनवाई की। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि उन्होंने यूजीसी के नए नियमों के सेक्शन 3सी को चुनौती दी है। उनका कहना था कि रेगुलेशन में भेदभाव की जो परिभाषा दी गई है, वह संविधान के अनुरूप नहीं है। विष्णु शंकर जैन ने तर्क दिया कि संविधान के अनुसार, भेदभाव का प्रश्न देश के सभी नागरिकों से जुड़ा

है, जबकि यूजीसी के नए नियमों में भेदभाव को केवल विशेष वर्ग तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह परिभाषा न केवल अधूरी है, बल्कि संवैधानिक भावना के विपरीत भी है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मान लीजिए दक्षिण भारत का कोई छात्र उत्तर भारत में दाखिला लेता है या उत्तर का छात्र दक्षिण में पढ़ने जाता है और उसके खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी की जाती है, जबकि दोनों पक्षों की जाति की जानकारी नहीं है, तो ऐसी स्थिति में कौन-सा प्रावधान लागू होगा? इस पर विष्णु जैन ने जवाब दिया कि सेक्शन 3ई ऐसी परिस्थितियों को कवर करता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव होता है, तो उसके लिए अलग से प्रावधान मौजूद है और उस पर कार्रवाई की जा सकती है। एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील ने सवाल उठाया कि यूजीसी के नए नियमों में रैगिंग से जुड़े प्रावधान क्यों हटाए गए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि नया रेगुलेशन शिक्षा व्यवस्था को आगे ले जाने के बजाय पीछे की ओर धकेल रहा है। उनका कहना था कि भविष्य में ऐसा हो सकता है कि कोई फ्रेशर, जो सामान्य वर्ग से आता हो, पहले ही दिन अपराधी की तरह देखा जाने लगे और जेल तक पहुंच जाए। यह गंभीर चिंता का विषय है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी हम समाज को जातियों से मुक्त नहीं कर सके हैं। सवाल यह है कि क्या इस नए कानून के जरिए हम और पीछे की ओर जा रहे हैं? याचिकाकताओं ने अदालत से यूजीसी के नए रेगुलेशन को समाप्त करने और उस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अदालत अनुमति दे, तो वे इससे बेहतर और संतुलित रेगुलेशन तैयार कर सकते हैं।

सुनेत्रा पवार बन सकती हैं महाराष्ट्र की नई डिप्टी सीएम

प्रफुल्ल पटेल,छगन भुजबल की मुलाकात से बढ़ी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन ने राज्य की राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा कर दिया है। अब इस राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उनकी पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार का नाम सबसे आगे चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दिग्गज नेताओं ने सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपने का मन बना लिया है। बता दें कि प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सुनेत्रा पवार से उनके आवास पर मुलाकात की। अजित पवार के निधन के बाद एनसीपी के भविष्य को लेकर पार्टी के भीतर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सुनेत्रा पवार से उनके आवास पर मुलाकात की। चर्चा है कि सुनेत्रा पवार को कैबिनेट में शामिल कर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद दिया जा सकता है। साथ ही वे अपने दिवंगत पति की

विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ सकती हैं। एनसीपी नेता नरहरि जिरवाल ने संकेत दिया कि पार्टी के कार्यकर्ता और आम लोग वहिनी (भाभी) को मंत्रिमंडल में देखने की इच्छा जता रहे हैं। पार्टी की कमान संभालने को लेकर भी नई रणनीति बनाई जा रही है। प्रफुल्ल पटेल को एनसीपी का नया अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इस पूरे प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए प्रफुल्ल पटेल जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान एनसीपी (शरद पवार गुट) के साथ संभावित विलय या तालमेल पर भी बात हो सकती है। बुधवार की सुबह बारामती में हुआ यह विमान हादसा रूह कंपा देने वाला था।

अजित पवार का अंतिम संस्कार, पत्नी ने गंगाजल चढ़ाया,,बेटों ने मुखाग्नि दी

मुंबई (एजेंसी)। बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में गुरुवार को महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार हो गया। उनके दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी। पत्नी सुनेत्रा पवार ने पति के पार्थिव शरीर पर गंगाजल चढ़ाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। अंतिम संस्कार में महाराष्ट्र के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे। बारामती में देर

रात से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह के वक्त कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। समर्थक बाइक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बस से पहुंचे। अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक लोग ही लोग नजर आ रहे थे। पवार का चार्टर्ड प्लेन बुधवार सुबह बारामती एयरपोर्ट के पास सुबह 8.45 बजे क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए 4 रैलियों को संबोधित करने वाले थे।

बजट सत्र शुरू होते ही कांग्रेस ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, जयराम बोले, काम कम, प्रचार ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वीरवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के हर सत्र की तरह इस बार भी पाखंड से भरा देश के नाम संदेश दिया है। बजट सत्र की शुरूआत में संसद भवन परिसर में अपने पहले पारंपरिक संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश लंबे समय से लंबित समस्याओं से बाहर निकल रहा है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय व्यवधान खड़े करने का नहीं, बल्कि समाधान खोजने का है। प्रधानमंत्री के बयान के बाद महासचिव जयराम रमेश ने एक्स

पर पोस्ट किया, वह (प्रधानमंत्री) राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए न तो सर्वदलीय बैठकों को बुलाएंगे और न ही उनकी अध्यक्षता करेंगे। वह आखिरी समय में विधेयक पेश कराएंगे और आवश्यक विधायी जांच-पड़ताल के बिना उन्हें संसद में बुलडोजर से पास करवा लेंगे। उन्होंने कहा, वह संसद में बैठकर विपक्षी नेताओं की चिंताओं का जवाब देने के बजाय दोनों सदनों में चुनावी रैली जैसे भाषण देंगे। हर सत्र की शुरूआत से पहले वह संसद को पृष्ठभूमि बनाकर अपना हमेशा की तरह पाखंड से भरा हुआ देश के नाम संदेश देंगे। आज का प्रदर्शन उसी सिलसिले की एक कड़ी है।

सफाई के दौरान सफाई कर्मियों की मौत के मामले में मिलेगा 30 लाख मुआवजा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि मैला ढोने और नालों की सफाई के कारण होने वाली मौतों के लिए मुआवजे को बढ़ाकर 30 लाख रुपये करने का उसका आदेश पुराने मामलों पर भी लागू होगा, यदि उनमें अभी तक मुआवजा तय नहीं हुआ है या मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने अक्टूबर 2023 के श्बलरामश मामले में ऐसी मौतों के लिए मुआवजे की राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी थी। यह स्पष्टीकरण राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा शीर्ष

अदालत के समक्ष दायर एक आवेदन के बाद आया है। नालसा ने कहा था कि अलग-अलग उच्च न्यायालयों का इस मामले पर अलग-अलग थे कि कितना मुआवजा दिया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले में 10 लाख रुपये दिए, जबकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने दूसरे मामले में 30 लाख रुपये दिए। नालसा ने बताया कि दो व्याख्याएं सामने आ रही थीं। एक यह कि 20 अक्टूबर, 2023 से पहले मरने वाले पीड़ितों के परिवारों को, जिन्हें पहले ही 10 लाख रुपये मिल चुके हैं, 20 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि मिलनी चाहिए। दूसरा विचार यह था कि यदि मुआवजा पहले ही वितरित किया जा चुका है, तो कोई अतिरिक्त राशि नहीं दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने 20 जनवरी को पारित आदेश में इस मुद्दे को सुलझा दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जिन मामलों में मुआवजा पहले ही निर्धारित और भुगतान किया जा चुका है, उन्हें दोबारा नहीं खोला जाएगा। हालांकि, यदि मृत्यु अक्टूबर 2023 के फैसले से पहले हुई है और मुआवजा अभी तक तय या भुगतान नहीं किया गया है, तो 30 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाना चाहिए। पीठ ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग में रिक्त पदों को भरने में धीमी प्रगति पर भी चिंता व्यक्त की।

शुभम संग आकाश ने हेल्थकेयर कंपनी खोली अनबन पर अलग हुआ

वाराणसी। कफ सिरप कांड में गिरफ्तार आरोपियों ने कई राज खोले। पूछताछ के दौरान सामने आया कि शुभम के साथ आकाश ने पहले हेल्थकेयर कंपनी खोली, लेकिन अनबन पर अलग हो गया। इसके बाद कमाई देखकर फिर जुड़ गया। कोडिन कफ सिरप में शुभम जायसवाल से जो भी जुड़ा करोड़पति बन गया। कफ सिरप प्रकरण में गिरफ्तार विकास सिंह नरवे, आकाश पाठक और अंकित श्रीवास्तव ने पुलिस पूछताछ में कई राज खोले। कफ सिरप की कालाबाजारी से मिली रकम को नकदी में लेकर हवाला के जरिये वाराणसी पहुंचाया जाता था, करोड़ों की रकम को सफेद करने के लिए कफ सिरप की खरीदारी दिखाते थे और पैसे को काला से सफेद बनाते थे। तीनों ने शुभम जायसवाल के साथ मिलकर फर्जी दवा फर्म कंपनियां बनाकर करोड़ों का खेल खेला। तीन साल में 34 करोड़ की काली कमाई विकास नरवे और अंकित श्रीवास्तव ने की। जबकि 2022 में आकाश पाठक शुभम से जुड़ा मेडरिमिडी हेल्थकेयर कंपनी खोली। इस बीच शुभम जायसवाल से व्यापार को लेकर हुए लेनदेन में अबनब के बाद जीएसटी सरेंडर कर दिया। लेकिन जब देखा

कि शुभम के साथ जुड़े प्रशांत उपाध्याय, शिल्पी फार्मा का प्रतीक गुजराती, सिंडिकेट फार्मा का मनोज यादव, लोकेश फार्मा का धर्मेंद्र अग्रवाल करोड़ों कमाने लगे तो आकाश पाठक फिर से शुभम से जुड़ा और फिर पलटकर नहीं देखा। तीन साल में करोड़ों का काला कारोबार कर डाला। सप्तसागर मंडी में विकास सिंह नरवे की पहली मुलाकात शुभम जायसवाल से हुई। यहीं से दोनों आगे बढ़े और दोनों को जोड़ने में मुख्य भूमिका अमित सिंह टाटा और बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह ने निभाई। शुभम के कहने पर विकास ने बड़ागांव में देवनाथ फामेर्सी खोली। दूसरी तरफ रांची में शैली ट्रेडर्स से माल वाराणसी या प्रयागराज के लिए फर्जी बिल पर सप्लाई के लिए दिखाया गया जबकि माल को तस्करी कर बिहार बंगाल और त्रिपुरा के रास्ते सीधे बांग्लादेश में भेजा जाता रहा। तस्करी से प्राप्त रकम को हवाला से वाराणसी लाकर यहां कफ सिरप की खरीदारी दिखाकर ब्लैक से व्हाइट किया जाता था। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि शुभम ने नजदीकी लोगों और रिश्तेदारों के नाम पर बने फर्मों में नकदी और आरटीजीएस से धन जमा कराया। वहीं, विकास नरवे ने अपनी फर्म से छह लाख न्यू फैंसिडल कफ सिरप का कारोबार किया, जिसे अवैध रूप से बाजार में खपाया गया। विकास के काम को संभालता था अंकित विकास सिंह नरवे के काले कारोबार को अंकित श्रीवास्तव संभालता था। विकास के कहने पर अंकित ने जौनपुर में पूर्वांचल एसोसिएट नाम की फर्म खुलवाई थी। विकास सिंह, अंकित श्रीवास्तव ने शैली ट्रेडर्स से कारोबार दिखाकर फर्जी बिल और फर्म के नाम पर बड़े पैमाने पर कफ सिरफ की तस्करी की। महीने में चार बार होती थी शुभम से मीटिंग महीने में तीन से चार बाद दोनों के बीच वाराणसी के अलावा देश के अन्य स्थानों समेत विदेश में बैठकर मीटिंग होती थी। इस खेल में शामिल अन्य को कमीशन के तौर पर मोटी रकम दी गई। नेपाल भागने की ये तीसरी कोशिश थी पुलिस की जांच में सामने आया कि बांग्लादेश सीमा पर तीन तस्कर जो शुभम का काम देखते थे वह माल को बांग्लादेश भिजवाते और रकम नकदी में लेते थे। विकास और अंकित ने दोनों के फर्म से छह छह लाख शीशियों का कागजों पर कारोबार किया। विकास सिंह ने दो बार नेपाल भागने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। आईपीएल बेटिंग में साथियों के साथ लगाई मोटी रकम करोड़ों की कमाई को आईपीएल सट्टेबाजी में लगाने का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों के अनुसार इस पूरे नेटवर्क का अहम किरदार विकास नरवे रहा है, जो पहले भी इसी मामले में जेल जा चुका है। कफ सिरप मामले में बांग्लादेश से नकद में व्यापार होता था। हवाला के तहत पैसा कोलकाता, झारखंड और बिहार के रास्ते बनारस पहुंचता था। दुबई में बैठे शुभम को कुर्की का नहीं डर दुबई में रह रहा शुभम फिलहाल भारत लौटने से बच रहा है। जांच कर रही टीम के अनुसार वह जानता है कि पुलिस की गिरफ्त में आते ही पूरे मामले की परतें खुल सकती हैं। शुभम करोड़ों रुपये की रकम को इधर-उधर खपाने में लगा हुआ है। वह विदेश में बैठकर अपने लोगों के साथ ये काम कर रहा है।

232 पर किये जा रहे इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में निरस्त की गई निम्नलिखित गाड़ियों के निरस्तीकरण अवधि को बढा दिया गया है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर रेलवे के जम्मूतवी मंडल पर ब्रिज संख्या-17, 163, 137 एवं 232 पर किये जा रहे इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में निरस्त की गई निम्नलिखित गाड़ियों के निरस्तीकरण अवधि को बढा दिया गया है।

निरस्तीकरण-

- काठगोदाम से 02 जून, 2026 तक चलने वाली 12207 काठगोदाम-जम्मूतवी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- जम्मूतवी से 31 मई, 2026 तक चलने वाली 12208 जम्मूतवी-काठगोदाम एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- कानपुर सेंट्रल से 02 जून, 2026 तक चलने वाली 12209 कानपुर सेंट्रल-काठगोदाम एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- काठगोदाम से 01 जून, 2026 तक चलने वाली 12210 काठगोदाम-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- गाजीपुर सिटी से 29 मई, 2026 तक चलने वाली 14611 गाजीपुर सिटी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- श्री माता वैष्णों देवी कटरा से 28 मई, 2026 तक चलने वाली 14612 श्री माता वैष्णों देवी कटरा-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

28 जनवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 28 जनवरी, 2026 को अपराध आसूचना शाखा, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा व बचपन बचाओ आन्दोलन के सदस्य द्वारा संयुक्त निगरानी में गाड़ी सं0 12407 में बालश्रम हेतु ले जाये जा रहे 13, 14, 15, 16, 16 वर्ष के 05 लड़कों एवं 17 वर्ष के 03 लड़कों सहित कुल 08 लड़कों को 03 बाल तस्करों से बचाया गया तथा बाल तस्करों व 08 लड़को को रेलवे स्टेशन छपरा पर उतारा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त बाल तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी तथा बालश्रम हेतु ले जाये जा रहे 08 लडकों को चाइल्ड लाइन छपरा को सुपुर्द किया गया। 28 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर घर से नाराज होकर आया 15 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 28 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 3 पर यात्री का गिरा हुआ एक मोबाइल मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर रखा गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया। 27 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट टनकपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15091 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे टनकपुर पोस्ट पर रखा गया। 28 जनवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

डिलीवरी बॉयज के बीच बमबाजी ऑर्डर को लेकर हुआ था विवाद पुलिस ने एक को हिरासत में लिया

कानपुर। ऑर्डर के विवाद में एक डिलीवरी बॉय ने अपने साथियों संग मिलकर दूसरे पर बम फेंके, जिसमें पीड़ित घायल हो गया। लोगों ने एक हमलावर को पकड़ा लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। कानपुर के कल्याणपुर आवास विकास में आर्डर के विवाद में डिलीवरी ब्वॉय और उसके साथियों पर बम फेंकने के आरोप है। घटना में एक डिलीवरी ब्वॉय घायल हो गया। लोगों ने एक आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, इनकम टैक्स हाउसिंग सोसायटी विनायकपुर निवासी सुशील कुमार आवास विकास में केसा चौराहे के पास एक फूड डिलीवरी कंपनी में बतौर डिलीवरी ब्वॉय हैं। सुशील के मुताबिक बुधवार रात वह आर्डर ले जा रहे थे। तभी एक अन्य डिलीवरी ब्वॉय ने खुद आर्डर ले जाने को बोला। जब उन्होंने उसकी शिफ्ट सुबह और शाम की होने की बात कही, तो वह धमकी देकर चला गया और थोड़ी देर बाद अपने चार साथियों के साथ वापस आया। आरोप है कि उसने साथियों के साथ मिलकर बम चला दिए, जिसमें उसके पैर में काफी चोट आई। आरोपी युवक को हिरासत में लिया शोर शराबा सुनकर इलाकाई युवकों ने एक युवक को दबोच लिया। पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की और युवक को लेकर थाने पहुंची। यहां आरोपी से पूछताछ की जा रही है। वहीं, घायल सुशील कुमार को अस्पताल भेजा गया है। कल्याणपुर एसीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि एक युवक को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

कोठवा भरतपुर व महरीपुर अव्वल

बस्ती। शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में मेरा युवा भारत की ओर से आयोजित दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन बुधवार को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। विजेता टीम और उप विजेता टीम व खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

गोरखपुर जं. स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के जवान राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की धुन बजाते हुये

गोरखपुर, : राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के गौरवशाली 150वीं वर्षगांठ मनाये जाने के क्रम में, गोरखपुर जं. स्टेशन पर 29 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के जवानों द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की धुन बजाई गई तथा देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों को बजाकर स्मरणोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर स्टेशन निदेशक/गोरखपुर जं. रतन दीप गुप्ता, लखनऊ मंडल एवं मुख्यालय के रेल अधिकारी, पर्यवेक्षक, कर्मचारी, स्काउट एवं गाइड के सदस्य तथा रेल यात्री उपस्थित थे। विदित है कि देश भर में बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

ऐशबाग स्टेशनों पर कुल 129 ट्रेनों की सफाई कराये जाने हेतु कार्य प्रस्तावित है

गोरखपुर,: यात्री प्रधान पूर्वोत्तर रेलवे अपने यात्रियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे रही है। यात्रा के दौरान गाड़ियों में साफ-सफाई हेतु 162 टेज्नों में ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सेवा उपलब्ध करायी जा रही है तथा क्लीन ट्रेन स्टेशन योजना के अन्तर्गत इस रेलवे पर गोरखपुर, छपरा एवं ऐशबाग क्लीन ट्रेन स्टेशन के रूप में नामित हैं, जहाँ से गुजरने वाली 75 ट्रेनों की साफ-सफाई प्रतिदिन की जा रही है।

ट्रेनों की साफ-सफाई हेतु रेलवे में दो तरह की योजनाओं को चलाया जाता है, पहला ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सेवा इसके अन्तर्गत सफाई कर्मी ट्रेन में यात्रा के दौरान गाड़ी में तैनात रहते है और कोचों की साफ-सफाई करते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के 92, वाराणसी मंडल के 40 इज्जतनगर मंडल के 30 ट्रेनों सहित कुल 162 ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त यात्री आवश्यकता पड़ने पर रेल मदद के हेल्प लाइन नम्बर 139 पर कॉल कर किसी भी समय (ओ.बी.एच.एस) कर्मचारी को बुलाकर कोच की सफाई करा सकते है। ओ.बी.एच.एस. स्टाफ साफ-सफाई से सम्बंधित सभी इक्यूपमेन्ट जैसे वाईपर, कपड़ा, डस्टर, डिस्पोजल बैग, कामोड ब्रश, केमिकल आदि अपने पास रखते हैं। ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग कर्मचारियों को टेज्नों में साफ-सफाई एवं गारबेज के निपटान के लिए गारबेज बैग उपलब्ध कराये जाते है, जिसमें गाड़ियों में साफ-सफाई के बाद कचरे को गारबेज बैग में रखा जाता है। इस गारबेज बैग को नामित क्लीन ट्रेन स्टेशन पर निस्तारित किया जाता है, जहाँ से उसे गारबेज डिस्पोजल प्वाइंट पर भेज दिया जाता है। इसी प्रकार गंतव्य स्टेशन पर पहुँचने वाली गाड़ियों की साफ-सफाई के उपरान्त गारबेज को गारबेज डिस्पोजल प्वाइंट पर भेजा जाता है। दूसरा क्लीन ट्रेन स्टेशन योजना इसके अन्तर्गत थ्रू-पासिंग गाड़ियों की सफाई स्टेशन पर ठहराव के दौरान की जाती है। लंबी दूरी की ट्रेनों की इन स्टेशनों पर ठहराव के दौरान गहन सफाई की जाती है, जिसमें विशेष रूप से ट्रेनों के कोच में शौचालय, कोच, फर्श, वाश बेसिन, और कचरा निस्तारण के स्थानों की सफाई हाई प्रेसर वाटर जेट एवं अन्य आधुनिक मशीनों से की जाती है। इसके लिए सफाईकर्मी गुणवत्ता युक्त केमिकल का उपयोग कर सफाई करते है, जिससे स्वच्छता बनी रहे। गोरखपुर जं. पर 37, ऐशबाग जं. पर 14 एवं छपरा जं पर 24 टेज्नों सहित कुल 75 ट्रेनों की साफ-सफाई प्रतिदिन की जा रही है। इस सुविधा का विस्तार करते हुए गोरखपुर, छपरा एवं ऐशबाग स्टेशनों पर कुल 129 ट्रेनों की सफाई कराये जाने हेतु कार्य प्रस्तावित है।

यूजीसी के नए नियमों का अनूठा विरोध वकील और किसानों ने मुंडवाया सिर

कानपुर। नारामऊ कछार में अधिवक्ता और किसानों ने यूजीसी के नए नियमों को तानाशाही बताते हुए सिर मुंडवाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सवर्ण समाज की चुप्पी पर दुख जताया और कानून को जातिवाद को बढ़ावा देने वाला करार दिया। कानपुर में यूजीसी के नए नियमों को तानाशाही और जातिवाद को बढ़ावा देने वाला करार देते हुए नारामऊ कछार में सवर्ण समाज के लोगों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। विरोध की आग इतनी तीव्र थी कि पेशे से अधिवक्ता अतुल त्रिवेदी और किसान भरत व सुशील शुक्ला ने सार्वजनिक रूप से अपना सिर मुंडवा लिया। सिर मुंडवाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने न केवल सरकार के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि सवर्ण समाज के उन रसूखदार लोगों पर भी निशाना साधा, जो इस कानून पर चुप्पी साधे हुए हैं। किसान भरत शुक्ला ने कहा कि यह कानून समाज को बांटने और जातिवाद की खाई को गहरा करने वाला है। ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर जिम्मेदार लोगों का मौन रहना बेहद चिंताजनक और दुखद है। अभी नौबर किया है, आगे तेहरवीं करेंगे अधिवक्ता अतुल त्रिवेदी ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि आज हमने इस कानून के विरोध में सांकेतिक रूप से नौबर किया है। अगर इस तानाशाही कानून में सुधार नहीं किया गया, तो हम इसकी तेहरवीं करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका यह संघर्ष कानून की वापसी या संशोधन होने तक जारी रहेगा।

बीएचयू के रुइया छात्रावास के छात्र की पिटाई बिड़ला चौराहे पर भारी संख्या में पहुंचे छात्र

वाराणसी। बीएचयू के संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय के रुइया छात्रावास के सामने छात्र गुटों में मारपीट हुई। इस दौरान एक छात्र घायल हो गया। बीएचयू के रुइया छात्रावास में रहने वाले पीयूष तिवारी की बृहस्पतिवार दोपहर को बिड़ला छात्रावास में रहने वाले कुछ छात्रों ने पिटाई कर दी। पीयूष की पिटाई की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में छात्र बिड़ला चौराहे पर पहुंच गए। सूचना पर इंस्पेक्टर लंका राजकुमार शर्मा बीएचयू चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी फोर्स के साथ पहुंचे। आक्रोशित छात्रों को समझाया। छात्र रुइया छात्रावास वापस लौट गए। छात्र आरोपियों पर कार्रवाई के लिए मांग करते रहे। साथी की पिटाई से आक्रोशित छात्र गमछे से मुंह बांधकर खड़े रहे। छात्रों के आक्रोश को देखकर पीएसी बुलाई गई। इंस्पेक्टर लंका राजकुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित छात्र से तहरीर लेकर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। मौके पर पुलिस की मौजूदगी में शांति व्यवस्था बना है। घटना की जानकारी मिलते ही बीएचयू कैंपस में हड़कंप मच गया। पुलिस और पीएसी की टीम मौके पर पहुंची।

संक्षिप्त खबरें

जन आरोग्य मंदिर सिकटा का हुआ मूल्यांकन

बस्ती। नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड कार्यक्रम के तहत चयनित सीएचसी गौर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिकटा गनेशपुर का वर्चुअल मूल्यांकन बुधवार को भारत सरकार की टीम ने किया। टीम में शामिल डॉ. रुसानी और डॉ. सना अमरीन ने मुख्य 14 बिंदुओं पर जांच करते हुए फीडबैक लिया। वहीं, डिप्टी सीएमओ डॉ. बृजेश शुक्ल ने भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण जनता को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की ओर से नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जनपद में भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर चयनित किए गए हैं। इससे ग्रामीण स्तर पर गुणवत्ता परक और आवश्यक संसाधन सहित स्वास्थ्य सेवाएं आम जनमानस को मिल सके। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिकटा गनेशपुर का वर्चुअल मूल्यांकन किया गया है। इसकी रिपोर्ट बाद में शासन द्वारा भेजी जाएगी। इस दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तैनात सीएचओ प्रतिभा वर्मा व एएनएम सुषमा यादव से भारत सरकार की टीम ने सवाल-जवाब भी किए। वर्चुअल माध्यम से आयुष्मान आरोग्य मंदिर व उसके परिसर को देखा गया। जिला परामर्शदाता नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड डॉ. अजय कुमार, बीपीएम, बीसीपीएम, आशा कार्यकर्ता शीला, शशिकिरन, रीता आदि ने सहयोग किया। सीएचओ ने बताया कि सालाना ओपीडी 4800 से अधिक है, वहीं, प्रतिमाह चार से पांच सौ की ओपीडी होती है।

दुकानदारों का अब ऑनलाइन पंजीकरण

बस्ती। जिले में संचालित थोक एवं फुटकर कीटनाशक की दुकानों का पंजीकरण अब ऑनलाइन अनिवार्य कर दिया गया है। विक्रेता एवं कंपनी अपनी दुकानों का पंजीकरण आईपीएमएस पोर्टल ६६६.स्रे२.ॅङ्ग५.ल्ल वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से कराएंगे। जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पंजीकरण संबंधी समस्या के लिए विक्रेता, डीलर, विनिमार्ता कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। किसी भी कीटनाशक विक्रेता का आईपीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण नहीं हुआ पाया जाएगा तो संबंधित विक्रेता पर कीटनाशी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी को भगाने के मामले में रिपार्ट दर्ज

हरैया। क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी को बहला फुसला कर भगा ले जाने के मामले में मां की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस आरोपी व किशोरी के खोजबीन में जुट गई है। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में मां ने बताया कि उनकी 17 साल की बेटी 19 जनवरी को 9 बजे घर से स्कूल के लिए निकली थी। शाम तक घर वापस नहीं आई तो खोजबीन की जाने लगी। पता चला कि तिनौता गांव निवासी विपिन उर्फ गुड्डू लड़की को बहला फुसला कर कहीं लेकर चला गया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

जेल में मुनाफाखोरी का खेल, 70 रुपए किलो वाल चने की कीमत 170

बस्ती। जिला जेल में लंबा खेल चल रहा है। बड़ी चहारदीवारी के भीतर जिम्मेदारों के मनमानी के आगे किसी की नहीं चलती है। यहां खाद्य पदार्थों से लेकर सुविधाजनक बैरक तक की बोली लगती है। खबर है कि भीतर कैदी परेशान रहते हैं लेकिन, भय इतना है कि आवाज नहीं उठती है। यदि कोई अंदर बदइंतजामी के खिलाफ आपत्ति भी जाहिर किया तो उसे सख्त सजा मिलती है। जानकारों के अनुसार जेल के अंदर संचालित कैंटीन में खाद्य सामग्रियों का मनमाना रेट कैदियों से वसूल किया जाता है। आर्थिक रूप से सक्षम कैदी ही कैंटीन से सामग्रियों की खरीद कर पाते हैं। बाकी कैदी तो जेल मैनुअल के तहत मिलने वाले भोजन पर निर्भर रहते हैं। एक मामले में रिहाई के बाद जेल से बाहर आए कौशल किशोर शुक्ल कहते हैं कि शासन स्तर से कैदियों के आचरण सुधार, उनमें रचनात्मक सोच विकसित करने और स्वस्थ रहने के लिए गाइडलाइन जारी होती रहती है। न्यायालय स्तर से भी कैदियों में परिवर्तन और उनके सेहत को लेकर जेल प्रशासन को अक्सर सचेत किया जाता है। मगर जेल के भीतर नियम कानून बिल्कुल उल्टा है। कैदियों के सेहत के साथ पूरा खिलवाड़ किया जा रहा है। जेल मैनुअल के अनुसार मिलने वाले भोजन में तेल- मसाला का कोई स्वाद ही नहीं मिलता है। कैदियों को अपनी व्यवस्था से रहने- खाने को मजबूर किया जाता है। इसमें भारी लूट हैं। जिम्मेदारों की मिलीभगत से जेल के अंदर संचालित कैंटीन में खाद्य सामग्रियों का मूल्य बाजार से तीन गुना अधिक रखा गया है। पनीर की पानी जैसी सब्जी डेढ़ सौ रुपये क्वाटर मिल रही है।

दाल, मसाला और गुड़ के लिए नमूने

बस्ती। जिला कारागार बस्ती में बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम निरीक्षण करने पहुंची। यहां खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। संग्रहित चार नमूनों को जांच के लिए वाराणसी प्रयोगशाला भेजा जाएगा। वहीं खाना बनाने वालों को स्वच्छतापूर्वक खाना पकाने की जानकारी दी गई। साफ-सफाई को लेकर प्रेरित किया गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार सिंह व खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश चौधरी शाम को जेल पहुंचे। यहां पाकशाला का निरीक्षण किया गया। साथ ही दाल, नमक, मसाला और गुड़ का सैंपल लिया। खाना पकाने वाले को पाकशाला की सफाई के बारे में अवगत कराया। इसके साथ ही भोजन कैसे शुद्धता के साथ पकाया जाता है इसके बारे में भी जानकारी दी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बंदियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले, इसके लिए जेल की तरफ से हर माह खाद्य सामग्रियों की जांच कराई जाती है। उसी के क्रम में जांच की गई है। खाद्य पदार्थों में कोई गड़बड़ी है या नहीं इसकी पुष्टि रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। कहा कि पाकशाला में साफ-सफाई बेहतर मिली है, जो भोजन पकाने का कार्य करते हैं, उन्हें स्वच्छता पूर्वक भोजन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

फेंकी मिलीं दवाओं की शुरू हुई जांच

गौर। सीएचसी गौर से सटे ब्लॉक परिसर के पीछे झाड़ियों में फेंकी मिलीं सरकारी दवाइयों के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। बुधवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. एसबी सिंह सीएचसी गौर पहुंचे। एमओआईसी डॉ. भास्कर यादव से दवा संबंधी जानकारी ली। मंगलवार को ब्लॉक परिसर के पीछे झाड़ी में सरकारी दवाइयां फेंकी पाई गई थीं। बाद में अस्पताल के कर्मी दवा को एकत्र कर उठा लाए थे। जांच में पता चला है कि फेंकी मिलीं दवाएं बच्चों में कीड़े के रोग में उपयोग में होने वाली हैं। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि 35 पत्ता दवा है। सील कर जिला मुख्यालय पर वापस भेजा जा रहा है। ये दवा कहां से आईं हैं इसका मिलान किया जाएगा।

काकोरी में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा की उंगली टूटी, ग्रामीणों का प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। काकोरी थाना क्षेत्र स्थित बहरू गांव में असामाजिक तत्वों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा की उंगली तोड़ दी। असामाजिक तत्वों की इस हरकत से ग्रामीणों में गुस्सा व्याप्त हो गया है। प्रतिमा को बुधवार रात से गुरुवार तड़के के बीच खंडित किया गया। सुबह जब ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा देखी तो पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीण जय भीम के नारे लगाते हुए घटनास्थल पर जमा हो गए। दरी बिछाकर बैठ गए। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही काकोरी कोतवाली पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थिति को संभाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और मलिहाबाद की भाजपा विधायक जय देवी कौशल भी मौके पर पहुंच गईं। लोगों के साथ दरी पर बैठकर मामले में उचित कार्रवाई कराने का अश्वासन दिया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह मैदान में खेल रहे बच्चों ने मूर्ति टूटी हुई देखी, जिसके बाद उन्होंने गांव वालों को सूचना दी। यह खबर फैलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने मूर्ति स्थल पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची काकोरी पुलिस को हालात संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

जनसमस्याओं व मानव अधिकारों से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान करें: डॉ. सिंह

■ आयोग के अध्यक्ष ने की प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक

■ ग्वालियर

समाज में सौहार्द, शांति एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए मानवाधिकारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह दायित्व केवल आयोग का ही नहीं, बल्कि शासन और प्रशासन का संयुक्त उत्तरदायित्व है। इसलिए जनसमस्याओं एवं मानवाधिकारों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं की जाए और प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। यह निर्देश मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित हुई समीक्षा बैठक में दिए।

मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग, आयोग मित्र समिति एवं शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय, भू-अभिलेख कार्यालय, सिटी सेंटर में आयोजित बैठक में डॉ. सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही ही मानव अधिकार संरक्षण की आधारशिला है। बैठक में अध्यक्ष डॉ. सिंह का डीआईजी अमित सांघी, जिलाधीश रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल एवं जेल उप अधीक्षक विपिन डंडौतिया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। बैठक में आयोग मित्र समिति की ओर से सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अवधेश श्रीवास्तव, आयोग मित्र डॉ. दीपक शर्मा, अधिवक्ता आलोक बंधु श्रीवास्तव सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान अध्यक्ष ने आयोग मित्र कार्यालय का निरीक्षण किया तथा मानव अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

1000 बिस्तर अस्पताल में का निरीक्षण व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

अध्यक्ष डॉ. सिंह ने हजार बिस्तर अस्पताल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण सर्दी के मौसम में भी लोग जमीन पर बैठने को मजबूर हैं। वार्डों में पीने के पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं पाई गई। डॉ. सिंह ने संबंधित अधिकारियों को मरीजों के बैठने एवं पेयजल व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों और परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लाला लाजपत राय ने देश को आर्थिक दिशा दी

■ अग्र सेवा संस्थान ने श्रद्धांजलि अर्पित की

■ ग्वालियर

अग्र सेवा संस्थान ने त्रिमूर्ति स्थल फूलबाग पर बुधवार को अग्रवाल समाज के नवरत्न पंजाब केसरी लाला लाजपत राय के 162 वें जन्मदिन पर फूलमाला पहनाकर कर श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थान के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने लाला लाजपत राय को स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा के साथ-साथ आर्थिक आजादी का पुरोधा भी बताया। उन्होंने कहा कि लाला जी ने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना एवं लक्ष्मी इंश्योरेंस कंपनी स्थापित कर देश को आर्थिक दिशा प्रदान की। राजनीतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीराम गोयल ने लाला जी को स्वतंत्रता संग्राम में गरम दल का नेता बताते हुए अंग्रेज सरकार के सायमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन में अंग्रेज अधिकारी सांडर्स द्वारा किए गए लाठी प्रहार से घायल होने का उल्लेख किया। उन्होंने यह भी कहा लाजपतराय जी उसी समय घोषणा की थी कि मेरे ऊपर अंग्रेज सरकार की पड़ी एक एक लाठी अंग्रेज सरकार के ताबूत एक एक कील के रूप में साबित होगी। परिणामस्वरूप अंग्रेजी हुकूमत को भारत देश छोड़कर जाना पड़ा। संस्थापक संयोजक डॉ. रामबाबू गोयल ने भी वीर रस की कविता सुना कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रवि गुप्ता, नन्द किशोर गोयल, एन के गोयल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

12 जोड़े आज करेंगे एकादशी का उद्यापन

अग्र सेवा संस्थान ग्वालियर इकाई द्वारा सर्व समाज के लिए एकादशी का उद्यापन कार्यक्रम आगरा अग्रवाल समाज धर्मशाला नौगजा रोड शिन्दे की छावनी पर गुरुवार को सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। दो दिवसीय कार्यक्रम में 12 जोड़े भाग ले रहे हैं। पहले दिन कथा और पूजन तथा फलहार रखा गया है। दूसरे दिन हवन, गौ दान के पश्चात आमंत्रित 26 ब्राह्मण जोड़ों के साथ मुख्य आचार्य जोड़े को भोजन पश्चात कपड़ों के साथ दक्षिणा दी जाएगी। कार्यक्रम में भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

हरिओम गौतम को नशा मुक्ति के लिए विशेष सम्मान

■ ग्वालियर

नशामुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं सतत कार्यों के लिए रमन शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी हरिओम गौतम को सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह में सम्मानित किया। इस अवसर पर ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नशामुक्ति के क्षेत्र में रमन शिक्षा समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि हरिओम गौतम विगत 25 वर्षों से नशामुक्ति के क्षेत्र में सक्रिय हैं। रमन शिक्षा समिति के माध्यम से विगत 9-10 वर्षों से निःशुल्क नशामुक्ति परामर्श केंद्र का संचालन बिना किसी शासकीय अनुदान के किया जा रहा है, जिसके माध्यम से हजारों लोगों को नशामुक्त जीवन की ओर प्रेरित किया गया है। सम्मान प्राप्ति पर श्री गौतम ने इसे पूरी टीम और समाज के सहयोग का परिणाम बताते हुए नशामुक्त समाज के संकल्प को और मजबूती से आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में है, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। युवाओं को नशे के दलदल से बचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है।

छोटे और मध्यम औद्योगिक क्षेत्र होंगे स्थापित: अनीशा

■ ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग द्वारा 'नई राहें नए अवसर' कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को पड़ाव क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एमपीआईआईडीसी की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनीशा श्रीवास्तव रहीं। अध्यक्षता अजय चौपड़ा ने की। मुख्य अतिथि ने कहा कि महिला उद्यमियों के लिए हम ग्वालियर के आसपास छोटे और मध्यम औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं, जहां इस प्रकार के इंडस्ट्रीयल पार्क बनें जो 'प्लग और प्ले' करते ही अपने उद्योग स्थापित कर लें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन की स्टार्टअप नीति अथवा केन्द्र सरकार की एमएसएमई की नीतियों के माध्यम से महिला सशक्त हों और उन्हें अच्छे वातावरण में कार्य करने का अनुभव हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों ने निष्क्रिय औद्योगिक प्लॉट के पुनः उपयोग में लाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर सुझाव दिए। कार्यक्रम संयोजक रीना गांधी रही। संचालन रश्मि अग्रवाल और आभार डॉ. सौरभ खंडेलवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में दीपक पमनानी, कविता जैन औश्र मुकेश अग्रवाल आदि ने अपने विचार रखे।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: डॉ. असीम चौहान

■ ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ प्रो-चांसलर वी.के. शर्मा, एवं कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर.एस. तोमर द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ।

कुलगुरु प्रो. तोमर ने कहा कि यह दिन हमें हमारे कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों की याद दिलाता है। शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी यदि ईमानदारी से अपने दायित्व निभाएं, तो एक सशक्त एवं विकसित भारत का निर्माण संभव है। प्रो-चांसलर श्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि देश को गणतंत्र बनाने में अनेक महान विभूतियों का योगदान रहा है। हमें अपने-अपने क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से देश सेवा का संकल्प लेना चाहिए तथा विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. असीम चौहान ने कहा कि युवाओं की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि छात्र अनुशासन, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों को अपनाएं, तो भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम में वंदे मातरम का सामूहिक गायन, एनसीसी कैडेट्स की परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर प्रो-वाइस चांसलर (रिसर्च) डॉ. एम.पी. कौशिक, रजिस्ट्रार डॉ. राजेश जैन सहित सभी विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईटीएम में सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल चैंपियनशिप का समापन

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्पोर्ट्र्स एजुकेशन के खेल मैदान पर सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल (मैन्स) चैंपियनशिप 2025-26 का समापन फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और अनुशासन देखने को मिला। चैंपियनशिप का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के पर्यवेक्षक डॉ. विनय पवार के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी आईटीएम ने की, जिसमें मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुल 56 विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। स्कूल ऑफ स्पोर्ट्र्स एजुकेशन के विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन तिवारी ने बताया कि आयोजन एआईयू के नियमों और निर्धारित फिक्स्चर के अनुसार किया गया। खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए खेल सुविधाएं, चिकित्सा व्यवस्था और तकनीकी सहयोग की समुचित व्यवस्था की गई। चैंपियनशिप के दौरान कुल 58 मैच खेले गए, जिनमें 52 नॉकआउट और 6 लीग मैच शामिल रहे। कड़े मुकाबलों के बाद चार टीमों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल (मैन्स) चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। इनमें लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) ग्वालियर, आईआईएमटी मेरठ, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर और आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की टीम शामिल रहीं।

सिंधी महापंचायत में सुनीं दो दर्जन समस्याएं

■ ग्वालियर

सिंधी महापंचायत ने नवाचार करते हुए सिंधी समाज की पहली जनसुनवाई बुधवार को प्रातः 11 से 1 दोपहर बजे तक श्री झूलेलाल धर्मशाला माधोगंज में आयोजित की। जनसुनवाई में शासन, प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, घरेलू विवाद आदि से संबंधित लगभग दो दर्जन मामलों की सुनवाई की गई। जिनमें से आधे से अधिक प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। सिंधी महापंचायत के अध्यक्ष कमल माखीजानी ने बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम बुधवार को यह जनसुनवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कई ऐसे प्रकरण होते हैं जिनके समाधान की जानकारी लोगों को नहीं रहती है। ऐसे प्रकरण बहुत छोटे प्रयासों से ही हल हो जाते हैं। जिनसे जनता को त्वरित राहत मिलती है। इस अवसर पर सिंधी महापंचायत के संगठक पीतांबर लोकवानी एवं क्षेत्रीय पार्षद अनिल सांखला ने भी मामलों की सुनवाई कर उनका तुरंत निराकरण किया। संचालन महासचिव गोपाल मोटवानी ने किया। ओमप्रकाश पारप्यानी, सुरेश खत्री, भगवानदास लखवानी, संतोष वाधवानी, दिलीप ठाकुर, दिलीप गेही, महेश गुलवानी, संगीत पारप्यानी, राजू होतवानी, मुखी शंकर लोकवानी, श्याम रोहिरा, हर्ष मोरयानी, वासुदेव जेस्वानी, दिलीप छाबड़ा आदि उपस्थित रहे।

सिन्धु सोसाइटी का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 31 को

सिन्धु सोशल एण्ड कल्चरल सोसाइटी द्वारा पूर्व अध्यक्ष स्व. राजेश बनवारी की स्मृति में सर गंगाराम हॉस्पिटल नई दिल्ली के सहयोग से मल्टी स्पेशलिटी नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 31 जनवरी को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक चेम्बर ऑफ कॉमर्स में किया जाएगा। यह जानकारी पत्रकारों से चर्चा करते हुए सोसायटी अध्यक्ष राजेश वाटवानी एवं महासचिव डॉ. अशोक जैसवानी ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में नई दिल्ली से डॉ. लक्ष्मीकान्त तोमर (न्यूरोलॉजी), डॉ. नरेश बसंल (लिवर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट), डॉ. अभिनव गुलियानी (चेस्ट फिजीशियन) एवं डॉ. अनीता गंगेर (नेत्र रोग विशेषज्ञ) अपनी सेवाएं देंगे। शिविर का लाभ लेने के लिए मोबाइल 9300650550 और 9826253198 पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। शिविर में आवश्यक जांच 60 प्रतिशत रियायती दरों पर कराई जाएंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर डॉ. शोभा सिकरवार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डॉ. सतीश सिकरवार उपस्थित रहेंगे। पत्रकार वार्ता में रोशन गाबरा, डॉ.सीपी लाडकानी, दीपक श्रीचंद जैसवानी, डॉ. रोहित मगनानी, डॉ. राजेश हबलानी उपस्थित रहे।

ट्रिपल आईटीएम में पॉश अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम

■ ग्वालियर

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान की आंतरिक समिति द्वारा पॉश अधिनियम पर आधारित जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन प्रशासनिक भवन स्थित संस्थान सभागार में किया गया। जिसकी अध्यक्षता निदेशक प्रो. एस. एन. सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत आंतरिक समिति की पीठासीन अधिकारी प्रो. ऋतु तिवारी के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि यह आयोजन संस्थान की उस संवेदनशील सोच को दर्शाता है, जो सम्मान, सुरक्षा, समानता और गरिमा को प्राथमिकता देती है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिता डागर रहीं। उन्होंने अपने प्रभावशाली संबोधन में पॉश अधिनियम के कानूनी प्रावधानों, शिकायत प्रक्रिया, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के अधिकारों और कर्तव्यों तथा आंतरिक समिति की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर वूमेन्स एसोसिएशन, एबीवी-आईआईआईटीएम की अध्यक्ष वंदना सिंह, महिला थाना प्रभारी रश्मि भदौरिया, उपनिरीक्षक सुमन धाकड़, थाना प्रभारी हजीरा जितेंद्र तोमर तथा आंतरिक समिति की बाह्य सदस्य डॉ. तनुष्का पराशर विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

महेंद्र सिंह बने म.प्र. स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव

ग्वालियर, । मध्यप्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष एस.बी. सिंह ने महेंद्र सिंह परिहार को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 महेंद्र सिंह परिहार को संघ के प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह सिकरवार द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर संघ पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नवनियुक्त प्रदेश सचिव का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष सिंह गोयल, जिला अध्यक्ष महेंद्र जैन, महामंत्री दिलीप राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष हरिमोहन शर्मा, कोमल सिंह, धर्मवीर शुक्ला, दिलीप सोन, राकेश गोस्वामी, ऋषि बोहरे, संजय रावत, मनीष सक्सेना, संजय जोशी, मायक राजपूत, विकास यादव, दीपेंद्र तोमर, राजेंद्र पाल, ब्रजेश भदौरिया, अखिलेश जैन, एस.पी. माथुर, कमल नोटिया सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में निगमायुक्त सख्त, 4.83 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले आधी वसूली पर जताई नाराजगी

राजस्व में अब ढिलाई नहीं, कम वसूली वालों को नोटिस-तालाबंदी के आदेश

■ ग्वालियर

नगर निगम में राजस्व कर वसूली को लेकर अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। निगमायुक्त संघ प्रिय ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि कम वसूली करने वाले राजस्व कर संग्रहकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को बाल भवन स्थित टीएलसी में आयोजित समीक्षा बैठक में आयुक्त ने न सिर्फ राजस्व वसूली की हकीकत सामने रखी, बल्कि अधिकारियों की कार्यशैली पर भी कड़ा रुख अपनाया।

बैठक में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर, उपायुक्त सुनील सिंह चौहान, नोडल अधिकारी राजस्व अनूप लिटोरिया सहित सभी राजस्व कर संग्रहक मौजूद रहे। आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी कर संग्रहक अभियान मोड में उतरें, वरिष्ठ अधिकारी मौके पर साथ जाएं और बड़े बकायदारों पर सीधी तालाबंदी की कार्रवाई करें, ताकि निगम का राजस्व बढ़ाया जा सके।

समीक्षा के दौरान सामने आया कि 4 करोड़ 83 लाख रुपए के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 2 करोड़ 22 लाख की ही वसूली हो पाई है। इस पर आयुक्त ने तीखी नाराजगी जताते हुए कहा कि कम से कम 4 करोड़ रुपए की वसूली होनी चाहिए थी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कम वसूली करने वाले कर संग्रहकों को तत्काल

नोटिस जारी किए जाएं और उनके काम की जवाबदेही तय की जाए।

दुकानों का किराया और बकाया लिस्ट देने के आदेश

आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी कर संग्रहक अपने-अपने क्षेत्रों की दुकानों, चबूतरों, पीडी किराया और बकाया राशि की पूरी जानकारी लिखित रूप में प्रस्तुत करें। निगम स्वामित्व की रिक्त दुकानों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन दुकानों के पांच बार टेंडर हो चुके हैं, उन्हें अब किराए पर देने की प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए।

हजीरा चौपाटी, पगोडा और रेस्टोरेंट पर भी नजर

हजीरा चौपाटी की 29 दुकानों की स्थिति की समीक्षा की गई, जिसमें बताया गया कि अब तक केवल चार दुकानें ही आवंटित हो सकी हैं। इसके अलावा पगोडा और बैम्बू रेस्टोरेंट की स्थिति पर भी जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। ट्रेड लाइसेंस की समीक्षा में बताया गया कि अब तक 1242 ट्रेड लाइसेंस बने हैं, जिनमें 973 रिन्यूअल और 269 नए लाइसेंस शामिल हैं। इस पर निगमायुक्त ने दो टूक कहा कि अभियान चलाकर अधिक से अधिक ट्रेड लाइसेंस बनाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यवसाय बिना लाइसेंस के संचालित न हो।

यह निर्देश भी दिए

आयुक्त ने निर्देश दिए कि जहां पार्किंग संभव ही नहीं है, उन्हें तत्काल डी-नोटिफाइड कराया जाए।

-लीज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अधिकारियों से पिछली बैठक के निर्देशों पर की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी और सभी लंबित लीज आवेदनों की सूची दो दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है गणतंत्र दिवस

ग्वालियर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्यामलाल पांडवीय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार में प्राचार्य डॉ. शत्रुघ्न सिंह तोमर ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पूर्व अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग डॉ. आईबी सिंह, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष प्रहलाद सिंह घुरैया उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. तोमर ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के इस महान उत्सव पर हमें अपने संविधान के मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता और समानता को आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिए। यह पर्व हमें राष्ट्रभक्ति, देशप्रेम की भावना के साथ एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। इस दिन हम राष्ट्र के प्रति सेवा समर्पण और देशभक्ति का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय निरंतर शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है।

सम्पादकीय

दुखद हादसा

बुधवार सुबह बारामती के पास हुई एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार व चालक दल के सदस्यों समेत पांच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। मुंबई से बारामती आ रहा चार्टर विमान मौसम की खराबी के कारण रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का असली पता जांच के बाद ही चलेगा, मगर प्रथम दृष्टया धुंध के कारण दृश्यता में कमी ही बताया जा रहा है। महाराष्ट्र में छह बार उप मुख्यमंत्री रहे अजित पवार के राज्य में राजनीतिक योगदान को नकारा नहीं जा सकता। राज्य में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य विपक्षी दलों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। हालांकि, ममता बनर्जी ने उनकी मौत को लेकर कुछ सवाल खड़े किए हैं, लेकिन उनके राजनीतिक गुरु व चाचा शरद पवार ने उनकी मृत्यु को लेकर राजनीतिक बयानबाजी को खारिज किया है। निश्चय ही महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार की असामयिक दुर्घटना में मृत्य ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक शून्य जरूर पैदा कर दिया है। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रैश लैंडिंग के दौरान हुई। रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका। विमान लियरजेट-45 सोलह साल पुराना था। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। निस्संदेह, अजित पवार जनता के नेता थे और जमीनी स्तर पर लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। बताया जाता है कि प्रशासनिक मामलों में उनकी समझ गहरी थी। वे वंचित वर्ग को सशक्त करने के प्रयासों के लिये जाने जाते रहे हैं। बहरहाल, अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में उनके बदलते दांव-पेचों के लिये याद किया जाता रहेगा। उनके बारे में कहा जाता रहा है कि वे उस कहावत को हकीकत बनाते रहे हैं कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त नहीं होता और ना ही स्थायी दुश्मन। वे अपनों के साथ तो रहे, गैरों को भी रास आए। उन्होंने चाचा और अपने राजनीतिक गुरु शरद पवार से राजनीति के गुर सीखे। शरद पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है, लेकिन अजित पवार ने उनसे अलग होकर अपनी नई राह भी बनायी। यूं तो उन्होंने चाचा शरद के साथ राजनीतिक पारी शुरू की लेकिन साल 2023 आने तक वे एकला चलो की राजनीति करने लगे। हालांकि, उन्होंने चाचा शरद पवार की छत्रछाया में राजनीति का ककहरा सीखा लेकिन एक समय वे पार्टी का सिंबल भी ले जाने में कामयाब रहे। फिर शरद पवार को नई पार्टी बनाकर उपस्थिति दर्ज करानी पड़ी। बारहवीं तक पढ़ाई के बावजूद वे अनुभवी नीतिकारों की सहायता से एक बेहतर प्रशासक भी साबित हुए। सहकारी चीनी मिलों से राजनीति की शुरूआत करने वाले पवार विधायक से लेकर सांसद तक चुने जाते रहे। वे राज्य में छह बार उप मुख्यमंत्री बने। साल 1991 में पहली बार बारामती से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने, लेकिन चाचा शरद पवार के लिये बाद में सीट खाली भी की। वे सबसे पहले 1995 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने। उनकी लोकप्रियता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वे सात बार विधायक चुने गए। फिर वे विलासराव देशमुख की कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार में पहली बार सिंचाई मंत्री बने। फिर ग्रामीण विकास मंत्री भी रहे। बाद में वे एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन में जल संसाधन मंत्री भी रहे। साल 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उनके अचानक भाजपा गठबंधन के साथ आने और उप मुख्यमंत्री बनने ने सबको चौंकाया था। फिर पवार साल 2023 में महायुति गठबंधन का हिस्सा बनकर पांचवीं बार उप मुख्यमंत्री बने। हालांकि, एनसीपी में विभाजन के बाद शरद पवार परिवार से संबंध बनाये रखे। इसके बावजूद कि उन्होंने एनसीपी का नाम और सिंबल तक ले लिया था। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार को कई मायनों में हमेशा याद किया जाएगा।

अजित पवार: आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के दादा-पुरुष

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। ह्वअगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?ह्व जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला दादा का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी।

एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे।

अजित पवार के जाने के बाद का गुणा-भाग

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार सुबह बारामती में एक विमान हादसे में निधन हो गया। उनके यूं इस तरह चले जाने से समूचा देश स्तब्ध है। वहीं महाराष्ट्र की राजनीति में भी नए सवाल खड़े हो गए हैं। क्योंकि अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का एक ऐसा किरदार थे, जिनसे आप असहमत हो सकते हैं, उनके तौर-तरीकों से नाराज हो सकते हैं, उनके समर्थक और मुरीद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें उपेक्षित नहीं कर सकते। अजित पवार का सियासी सफर काफी दिलचस्प था। हर दिग्गज नेता की तरह उनकी भी महत्वाकांक्षा शीर्ष पद पर पहुंचने की थी, यानी महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना उनका सपना था, जो अब अधूरा रह गया है। अजित पवार मुख्यमंत्री तो एक बार भी नहीं बन पाए, लेकिन छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बनने का रिकार्ड उनके नाम हैं। इसके अलावा कांग्रेस, शिवसेना, भाजपा के मुख्यमंत्रियों के साथ वे अलग-अलग मंत्री पद पर भी रहे। इसलिए कहा जाता है कि अजित पवार सत्ता में हमेशा ही बने रहे।अपने चाचा शरद पवार की ऊंगली थामकर अजित पवार ने राजनीति शुरू की, लेकिन बाद में उनसे अलग होकर अपना दबदबा भी दिखाया। 22 जुलाई 1959 को जन्मे अजित पवार महज 23 साल की उम्र में कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री के बोर्ड में शामिल हो गए थे। इसके बाद 1991 में वे पुणे सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष बने और 16 सालों तक इस पद पर काबिज रहे। वे 1991 में ही बारामती से पहली बार सांसद चुने गए। लेकिन अपने चाचा शरद पवार के लिए उन्होंने सीट खाली की, इसके बाद 1995 में बारामती से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीते फिर 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार विधायक बने रहे।शरद पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को खड़ा करने और उसे महाराष्ट्र की अग्रणी पार्टियों में शुमार करने में अजित पवार का बड़ा हाथ रहा। लेकिन इस बीच शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के भी राजनीति में सक्रिय होने के बाद अजित पवार अपनी उपेक्षा का दर्द जाहिर करते रहे। एक बार उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर मैं शरद पवार का बेटा होता तो मुख्यमंत्री बन जाता। हालांकि चाचा-भतीजे के बीच सीधी तकरार 2022 में देखने मिली। जब अजित पवार ने शरद पवार से अलग होकर अपनी राजनीतिक लकीर खींची और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। हालांकि हाल ही में संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आए और खबरें थीं कि चाचा-भतीजा के साथ आने से भाजपा को काफी तकलीफ है। लेकिन नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी को बड़ा झटका लगा और उसके कई गढ़ हाथ से निकले भी। इसके बाद अजित पवार जिला पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटे थे। लेकिन उनकी मौत के साथ ही उनकी तैयारियां भी अधूरी रह गईं। करीब 4 दशकों के सियासी सफर में एक बार सांसद और सात बार विधायक रहे अजित पवार ने राज्य सरकार में कई अहम मंत्री पद संभाले। 2010 में वे पहली बार उपमुख्यमंत्री बने और फिर छह बार इसी पद पर काबिज हुए।2019 में तो दो अलग-अलग मुख्यमंत्रियों के अधीन उन्होंने उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। 23 नवंबर 2019 की सुबह उन्होंने देवेंद्र फडनवीस के साथ उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। लेकिन, सदन में फडनवीस बहुमत साबित करने में नाकाम रहे। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री की शपथ ली तो उन्हें एक बार फिर उपमुख्यमंत्री बनाया गया। आखिरी बार 2024 में वो एक बार फिर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बने और उनकी मौत इसी पद पर बने रहते हुए हो गई।सिंचाई घोटाले से लेकर अपनी पार्टी को तोड़ने और भाजपा से हाथ मिलाने जैसे कई विवाद अजित पवार के साथ चस्पां रहे। अब उनकी मौत पर भी सवाल उठ रहे हैं। दरअसल तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संकेत दिया कि अजित पवार महायुति गठबंधन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए इस हादसे के पीछे कोई साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा- श्आज जो हुआ, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच ही विश्वसनीय होगी। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, किसी अन्य एजेंसी पर नहीं।श उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी कहा है कि राजनीति में स्पष्ट बोलने की कीमत चुकानी होती है, पता नहीं अजित पवार को कितनी चुकानी पड़ी होगी। गौरतलब है कि कांग्रेस, एनसीपी और आरजेडी भी विमान हादसे की जांच की मांग कर रहे हैं। खबर ये भी है कि पिछले महीने नगरीय निकाय चुनावों के प्रचार में अजित पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। अजित पवार ने 1995 से 1999 के बीच शिवसेना-भाजपा की संयुक्त सरकार में मराठवाड़ा में सिंचाई परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए भाजपा पर आरोप लगाए थे और यहां तक कहा था कि उनके पास इसकी मूल फाइलें हैं। बता दें नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी ने भाजपा से अलग होकर चुनाव लड़ा था। भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने दोस्ताना मुकाबले की पहल की थी, लेकिन अजित पवार ने इसे स्वीकार नहीं किया था। वहीं इन चुनावों में उन्होंने अपने चाचा शरद पवार से हाथ मिला लिए थे।

आई.टी.सी. रिफंड, पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट में अहम कड़ी गायब

डा. अमृत सागर मित्तल

22 सितम्बर, 2025 से जी.एस.टी. दरों में सुधार से आम आदमी को महंगाई से राहत व कारोबारियों के लिए टैक्स सिस्टम और अधिक सरल हुआ है। उद्योगों को इनपुट टैक्स क्रैडिट (आई.टी.सी.) के डिजिटल रिफंड तेज हुए। केंद्र के इन सुधारों को उन राज्यों का समर्थन मिला, जहां मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर मजबूत है। इस दौरान पंजाब ने भी शासन सुधारों की पहल करते हुए 8 अक्तूबर, 2025 को पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट 2025 नोटिफाई किया, इसके अलावा क्लस्टर आधारित नई औद्योगिक नीति के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान व उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की पहल पंजाब के मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर की मजबूती का संकेत हैं, पर पंजाब की ईज ऑफ डूइंग बिजनैस की यह पूरी कवायद तभी असरदार साबित होगी, जब पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट 2025 में आई.टी.सी. रिफंड को भी शामिल किया जाए। रिफंड में देरी के कारण हजारों एम.एस.एम.ई. की वर्किंग कैपिटल लंबे समय से सरकार के पास अटकी है। आई.टी.सी. रिफंड को पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट, 2025 में शामिल करने से पंजाब की उद्योग-हितैषी मंशा कागजी कार्रवाई से आगे टिकाऊ औद्योगिक विकास में तबदील होगी। पंजाब का मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटो कंपोनैंट्स, टैक्सटाइल और गारमैंट्स, साइकिल, प्लास्टिक, रबड़, केबल और खेलों के सामान से जुड़े हजारों एम.एस.एम.ई. पर टिका है। ये छोटे कारोबारी स्टील, पॉलिमर, रबड़, प्लास्टिक और इलैक्ट्रिकल इनपुट जैसे

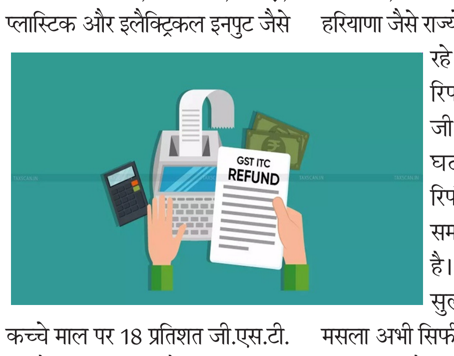

कच्चे माल पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देते हैं, जबकि इनके तैयार माल पर 5 प्रतिशत जी.एस.टी. लगता है। इस इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर यानी कच्चे माल पर अधिक टैक्स व तैयार माल पर कम टैक्स के बीच का अंतर कारोबारियों को रिफंड या एडजस्ट करने का जी.एस.टी. कानून में स्पष्ट प्रावधान है। आई.टी.सी. रिफंड में 6 महीने से लेकर 1 साल की देरी के कारण कारोबारियों की वर्किंग कैपिटल फंसने से उन्हें महंगे ब्याज पर कर्ज उठाकर श्रमिकों की मजदूरी, बिजली के बिल, कच्चे माल की खरीद करनी पड़ती है या वे उत्पादन घटाने को मजबूर हैं। आई.टी.सी. रिफंड में देरी की दोहरी कीमत कारोबारियों को चुकानी पड़ रही है। पहली-नकदी संकट, जो एम.एस.एम.ई. को महंगे वर्किंग कैपिटल लोन की ओर धकेलता है। दूसरा-प्रतिस्पर्धा में गिरावट। देरी से मिलने वाले रिफंड के कारण उत्पादन पर लागत बढने से पंजाब के कारोबारी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व हरियाणा जैसे राज्यों के उद्योगों से पिछड़ रहे हैं, जहां आई.टी.सी. रिफंड प्रक्रिया तेज है। जी.एस.टी. दरें व स्लैब घटाए जाने के बाद रिफंड के दावे बढने से समस्या और गंभीर हो गई है। अगर इसे जल्द नहीं सुलझाया गया, तो जो मसला अभी सिर्फ रिफंड में देरी का है, एक बड़ी औद्योगिक मंदी का रूप ले सकता है। पंजाब राइट टू बिजनैस (संशोधन) एक्ट 2025, लगभग 19 औद्योगिक मंजूरियां 5 से 18 दिन में देने का दावा करता है। लेकिन कारोबार को आसान बनाना सिर्फ नए प्रोजैक्टस को मंजूरी तक सीमित नहीं है। मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए कैश फ्लो सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है, जितना नए निवेश को तेज मंजूरी। अगर कानूनी प्रावधान के बावजूद आई.टी.सी. रिफंड लंबे समय तक लटके रहें तो कारोबार में सरकार के सुधार एजैंडे की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। समय पर आई.टी.सी. रिफंड कोई रियायत या सबसिडी नहीं, बल्कि यह कारोबारियों का कानूनी अधिकार है। गला काट प्रतिस्पर्धा के युग में उद्योगों के हालात ऐसे नहीं हैं कि वे सिस्टम की लापरवाही को लंबे समय तक अपने कंधों पर ढो सकें। जब केंद्र सरकार रिफंड से संबंधित दस्तावेज के आधार पर रिस्क एसैसमैंट प्रोसैस 7 से 15 दिनों के भीतर निपटाकर बनते रिफंड का 90 प्रतिशत दे रही है, तो पंजाब का जी.एस.टी. विभाग ऐसा क्यों नहीं कर सकता? इसका रोडमैप तीन मजबूत स्तंभों पर टिका है। पहला, कानूनी समय-सीमा व जवाबदेही। पंजाब को आई.टी.सी. रिफंड के लिए केंद्र सरकार की तर्ज पर 10-15 दिन की कानूनी समय-सीमा तय करनी चाहिए। तय अवधि में रिफंड पर कोई आपत्ति न होने पर इसे डीम्ड अप्रूवल माना जाए। रिफंड में 60 दिन से अधिक की देरी पर सी.जी.एस.टी. एक्ट की धारा 56 के तहत कारोबारियों को रिफंड राशि पर ब्याज मिले, ताकि जी.एस.टी. विभाग की प्रशासनिक जवाबदेही तय हो व उद्योगों को कैश फ्लो संकट से बचाया जा सके। दूसरा, डिजिटल-फर्स्ट व बगैर रुकावट प्रोसैस। जी.एस.टी. प्रोसैस पूरी तरह डिजिटल होने के बावजूद, विभाग द्वारा बार-बार स्पष्टीकरण मांगे जाने से रिफंड अटक जाते हैं। जी.एस.टी.एन. से जुड़े ए.आई.-आधारित ऑटो-वैलिडेशन टूल्स की मदद से पंजाब का जी.एस.टी. विभाग भी इनपुट-आऊटपुट टैक्स की जांच कर फर्जी आई.टी.सी. रिफंड रोक कर ईमानदार करदाताओं को बेवजह परेशानी से बचा सकता है।

दुनिया किसी नई विश्व व्यवस्था की ओर नहीं बढ़ रही

बलबीर पुंज

हर कुछ दशकों में, जब वैश्विक अस्थिरता बढ़ती है, तब एक परिचित शब्द सुनाई देने लगता है- विश्व व्यवस्था (वर्ल्ड ऑर्डर)। हालिया दिनों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुछ तल्ख बयानों और हैरानी भरे कदमों के बाद यह शब्दावली फिर चर्चा में है। अब इसे नई विश्व व्यवस्था के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन इतिहास साक्षी है कि ऐसी कोई स्थायी वैश्विक व्यवस्था कभी नहीं रही। असल दुनिया में हमेशा एक बात का वजन होता है और वह शक्तिशाली का कमजोर पर प्रभुत्व है। गत 20 जनवरी को ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच पर ए.आई. निर्मित एक विवादित तस्वीर सांझी की। उसमें उन्होंने कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को अमरीकी क्षेत्र के रूप में दिखाया। वह तस्वीर अमरीकी राष्ट्रपति के कार्यालय की थी, जिसमें शीर्ष यूरोपीय नेताओं की भी मौजूदगी थी। कुछ दिन पहले, 8 जनवरी को ट्रम्प ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को साक्षात्कार देते हुए कहा था, मुझे किसी अंतर्राष्ट्रीय कानून की जरूरत नहीं, मेरी शक्ति की सीमा सिर्फ मेरी नैतिकता है। यह संकेत इतिहास के संदर्भ में विडंबनाओं से भरा है, क्योंकि अमरीका खुद साम्राज्यवादी नियंत्रण के खिलाफ विद्रोह से पैदा हुआ वह देश है, जो पहले ही अमरीकी महाद्वीप पर बाहरी अधिकार की भयावह क्रूरता को झेल चुका था। 1492 में इतालवी क्रिस्टोफर कोलम्बस ने स्पेन के ईसाई राजा के लिए अमरीका की खोज की। लंबी समुद्री यात्रा करके अमरीका पहुंचे कोलम्बस का वहां जिन मूल निवासियों ने स्वागत किया, उन्हें और उनकी पेगन संस्कृति-सभ्यता को मजहब के नाम पर मिटाकर अमरीकी संग्रहालय में शोभा बढ़ाने की वस्तु तक गौण कर दिया है। सदियों बाद संभवतरू पहली बार यूरोप खुद अपने द्वारा स्थापित साम्राज्यवादी हनक को महसूस कर रहा है। ट्रम्प की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं की आलोचना उसी यूरोपीय महाद्वीप से आ रही है, जिसका इतिहास ही आक्रमण, औपनिवेश और नस्लीय भेदभाव से भरा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्विट्जरलैंड स्थित दावोस में विश्व आध्थक मंच से ट्रम्प को घेरते हुए कहा था, यह नए साम्राज्यवाद का समय नहीं है। यह वही फ्रांस है, जो आज भी कैरीबियाई क्षेत्र से ड्क्षहद महासागर तक कई क्षेत्रों का अपना प्रशासन चलाता है। अल्जीरिया में फ्रांसीसी शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम (1954-62) में लगभग 15 लाख लोग मारे गए थे। जर्मनी के वित्त मंत्री ने चेतावनी दी कि वह ट्रम्प के दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। वहीं फ्रांसीसी वित्त मंत्री के अनुसार, 250 साल पुराने सहयोगी अब शुल्क को हथियार बना रहे हैं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व व्यवस्था को एक सुखद भ्रम का अंत बताया है। सच तो यह है कि तथाकथित विश्व व्यवस्था कभी सार्वभौमिक नैतिक समझौता नहीं रहा, बल्कि यह नियम बनाने वालों के हित में बना अग्रिम उपक्रम था। इसलिए पश्चिमी दुनिया के मुंह से नैतिकता की बात करना छलावा जैसा है। पुर्तगाली वास्को डी गामा और स्पेनवासी जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर आदि के 16वीं शताब्दी में भारत पहुंचने का घोषित लक्ष्य स्थानीय पूजा-पद्धति को मिटाकर ईसाइयत का विस्तार करना था। इसमें हिंदुओं, मुसलमानों और स्थानीय ईसाइयों पर जो उत्पीडन हुआ, उसका नृशंस इतिहास है। कई प्रामाणित लेखकों के साथ संविधान निमार्ता डा. भीमराव रामजी आंबेडकर के साहित्य में भी इन सभी निर्मम घटनाओं का स्पष्ट उल्लेख है। वैटिकन और कैथोलिक चर्च दुनिया के कुछ हिस्सों (कनाडा सहित) में अपने अपराधों पर खेद जता चुका है, जो कोई पश्चाताप न होकर केवल छवि सुधार का हिस्सा है। यदि यूरोप का अतीत कलंकित है, तो अमरीका का इतिहास रणनीतिक भूलों से भरा है। उसने ही साम्राज्यवादी चीन के विश्व उदय का रास्ता खोला था। वर्ष 1999 में व्यापार समझौता और 2001 में विश्व व्यापार संगठन में प्रवेश दिलाकर अमरीका ने चीन को उत्पादन का वैश्विक केंद्र बना दिया। तब चीन की जी.डी.पी. 1.2 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि अमरीका की 10.3 ट्रिलियन डॉलर। आज वही चीन 19.5 ट्रिलियन डॉलर के साथ अमरीका के करीब पहुंच गया है, जिसका तिब्बत पर कब्जा है, कई देशों (भारत सहित) से चीन का सीमा (समुद्री क्षेत्र सहित) विवाद है और अपनी दूषित कर्ज-नीति से श्रीलंका जैसे कुछ देशों को तबाह कर चुका है। अमरीका दशकों से ताकत दिखाता रहा है। वियतनाम, ईराक, अफगानिस्तान और वेनेजुएला इसके प्रमाण हैं। 1980 के दशक में अमरीका ने अफगानिस्तान में तत्कालीन सोवियत संघ के खिलाफ जिन मुजाहिदीनों को पैदा किया, बाद में उन्हीं से तालिबान के रूप में उसे लडना पड़ा और फिर 2 दशक बाद उन्हीं तालिबानियों से समझौता करके अपने हथियारों को छोड़कर वापस चलता बना। लेकिन अमरीका में लोकतंत्र है, चुनाव होते हैं और अदालतें हैं-इसलिए वहां सुधार की संभावना अधिक है। परंतु चीन में ऐसा नहीं है। वहां सत्ता केंद्रीकृत है, विरोध-असहमति की जगह नहीं। इसी कारण चीन का उदय अधिक चिंताजनक है।

यूपी कैबिनेट ने विस्थापित हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वास को दी मंजूरी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वास को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी है। वरिष्ठ मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह परिवार फिलहाल मेरठ जिले में झील की जमीन पर अवैध रूप से रह रहे हैं। मंत्रिमंडल बैठक के बाद जानकारी देते हुए वित्त और संसदीय कार्य मंत्री खन्ना ने कहा कि अभी मेरठ की मवाना तहसील के नगला गोसाई गांव में रह रहे इन परिवारों को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के पालन में दूसरी जगह बसाया जाएगा। मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि पुनर्वास योजना के तहत, 50 परिवारों को कानपुर देहात जिले की रसूलाबाद तहसील के भैंसया गांव में पुनर्वास विभाग के नाम पर दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.51 एकड़) जमीन पर बसाया जाएगा, जबकि बाकी 49 परिवारों को ताजपुर तरसौली गांव में 10.530 हेक्टेयर (26.01 एकड़) जमीन पर बसाया जाएगा। हर परिवार को 30 साल के पट्टे पर 0.50 एकड़ जमीन दी जाएगी, जिसे हर बार 30 साल के लिए दो बार बढ़ाया जा सकेगा, जिसकी अधिकतम पट्टा अवधि 90 साल होगी।

सर्दी में क्या खाएं? ये सुपरफूड्स शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं

सर्दियों का मौसम सुहाना होता है, लेकिन सर्द हवाएं और गिरता तापमान हमारे शरीर को अंदर से ठंडा कर देता है। ऐसे में कुछ खास तरह के खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनकी तासीर गरम होती है। उनका सेवन करना जरूरी हो जाता है। ये विंटर सुपरफूड्स न सिर्फ आपको ठंड से बचाते हैं, बल्कि आपकी इम्यूनिटी को भी मजबूत करते हैं, साथ ही ये प्राकृतिक गरमाहट को बेहतरीन तरीके से बचाते हैं और पाचन, रक्त संचार तथा ऊर्जा में भी सुधार करते हैं। इसलिए ठंड के मौसम में शरीर को गरम रखने और एनर्जी देने के लिए कुछ खाद्य पदार्थों को अपनी रोजमर्रा की डाइट में अवश्य शामिल करें। गेहूं की जगह रागी, बाजरा, मक्का और ज्वार सिर्फ सर्दी के अनाज नहीं हैं, बल्कि धीमी और स्थिर ऊर्जा के स्रोत भी हैं। सर्दी के मौसम में इन अनाजों का सेवन करने से जहां शरीर को गर्मी मिलती है, वहीं इम्यूनिटी मजबूत होने से शरीर स्वस्थ भी रहता है। मक्के अथवा बाजरे की रोटी और सरसों का साग सर्दियों के आहार का बेस्ट कॉम्बिनेशन है।

दालें

सर्दी में शरीर को गरम रखने के लिए अरहर दाल (तुअर दाल), उड़द दाल, मसूर दाल, मोठ दाल और राजमा जैसी गरम तासीर वाली दालें खानी चाहिए, खासकर उड़द और मसूर दाल, क्योंकि ये प्रोटीन, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये दालें शरीर को अंदर से गरमाहट देती हैं और ऊर्जा प्रदान करती हैं।

नट्स और सीड्स

सर्दी में नट्स और सीड्स का सेवन सेहत के लिए बेहद उपयोगी होता है। नट्स और सीड्स में आप बादाम, अखरोट, तिल और अलसी के बीज का सेवन करें। यह नट्स और सीड्स सिर्फ स्नैक्स नहीं, बल्कि हेल्दी फैट्स और प्रोटीन भी हैं, जो शरीर को गरम रखते हैं। नट्स और सीड्स का सेवन करने से भूख नियंत्रित रहती है, मांसपेशियां मजबूत बनती हैं और इम्यूनिटी भी मजबूत रहती है। सुबह नाश्ते में दलिया में सीड्स मिलाकर लिया जा सकता है, शाम की चाय से पहले नट्स खाएं या फिर तिल-अलसी के लड्डू बनाकर खाएं। भुनी हुई मूंगफली को भी अपनी डाइट में अवश्य लें, आपका शरीर गरम रहेगा।

सब्जियां

सर्दी के मौसम में कई तरह की पौष्टिक और स्वादिष्ट सब्जियां आती हैं। मुख्य रूप से कुछ सब्जियां बहुत फायदेमंद हैं, जो विटामिन, आयरन और फाइबर से भरपूर होती हैं तथा इम्यूनिटी मजबूत करने के साथ ही शरीर को गरमाहट भी देती हैं। इनमें पहली हैं- पत्तेदार सब्जियां जैसे कि पालक, मेथी, सरसों का साग, बथुआ, हरा धनिया, चौलाई, केल, सलाद पत्ता। दूसरी हैं- जड़ वाली सब्जियां जैसे कि गाजर, मूली (सफेद और काली), चुकंदर, शलजम, शकरकंद, आलू, अरबी। अन्य महत्वपूर्ण सब्जियां, जैसे कि फूलगोभी, मटर, फ्रेंच बीन्स, ब्रोकली, टमाटर, बैंगन आदि भी इसी श्रेणी में हैं।

फल

सर्दी के मौसम में आपको संतरा, अमरूद, सेब, अनार, नाशपाती, चीकू, आलूबुखारा, खजूर, अंजीर और कीवी जैसे फल खाने चाहिए। ये विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और शरीर को अंदर से गरम रखते हैं। इन फलों को अपनी डाइट में अवश्य शामिल करें, ताकि ठंड के मौसम में पोषण और ऊर्जा मिल सके।

दूध और दही

सर्दी के मौसम में दूध पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है, क्योंकि यह हड्डियों को मजबूत बनाता है, इम्यूनिटी बढ़ाता है और शरीर को अंदर से गरम रखता है। दूध को गरम पीएं और हल्दी, खजूर तथा गुड़ के साथ पीएं तो अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगी। दूध और चाय पीते वक्त चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल बेहतर रहेगा। इसी तरह दही भी सर्दी के मौसम में खा सकते हैं। यह ध्यान रखें कि फ्रिज का दही न खाते हुए सामान्य तापमान पर जमा दही खाएं और सुबह तथा दोपहर के समय ही खाएं।

घी और अन्य मसाले

घी की तासीर गरम होती है। यह पाचन शक्ति को मजबूत करता है और शरीर को अंदर से आंतरिक चिकनाई देता है। रोटी पर घी लगाकर, दाल में मिलाकर या रात में गुनगुने दूध में एक चम्मच मिलाकर भी सेवन किया जा सकता है। वहीं रसोई में मौजूद मसाले न सिर्फ पाचन के लिए बेहतर होते हैं, बल्कि शरीर को भी गरम रखते हैं। मसालों में लौंग, काली मिर्च, इलायची, दालचीनी, अदरक का सेवन खाने में खुशबू के साथ गर्मी भी देता है। मसालों में थर्मोजेनिक प्रभाव शरीर को गरम रखता है। इन्हें खाने से रक्त संचार बेहतर होता है, पाचन में सुधार होता है और ठंड के मौसम में सुस्ती भी दूर होती है। सर्दियों में चाय या काढ़े में लौंग, दालचीनी और इलायची डालें तथा सब्जियों में अधिक काली मिर्च का इस्तेमाल करें। साथ ही तुलसी की 5-6 पत्तियां भी खाएं या चाय में डालकर पीएं।

अंडे-मीट-मछली

नॉनवेज खाने वाले लोगों के लिए सर्दी के मौसम में अंडा, मीट (मांस) और मछली खाना सेहत के लिए लाभकारी होता है, क्योंकि प्रोटीन, विटामिन (डी, ई, बी12) और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को अंदर से गरम रखते हैं, इम्यूनिटी बढ़ाते हैं, हड्डियां मजबूत करते हैं और शरीर को ऊर्जा देते हैं, जिससे सर्दी-जुकाम से बचाव होता है। हालांकि सीमित मात्रा और हमेशा ताजा एवं अच्छी तरह पकाकर ही सेवन करें, खासकर मछली का। सर्दी के इस मौसम में चिकन सूप भी डाइट में शामिल किया जा सकता है।

कम सामग्री में घर पर बनाएं स्ट्रीट-स्टाइल मिक्स पकौड़े, 15 मिनट में होंगे तैयार

जब अचानक कुछ चटपटा खाने का मन करे या मेहमान बिना बताए आ जाएं, तब मिक्स पकौड़े सबसे आसान और पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं। मिक्स पकौड़े कई तरह की सब्जियों से बनते हैं, जिससे ये स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। खास बात ये है कि इन्हें बनाने में ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं होती और ये सिर्फ 15 मिनट में तैयार हो जाते हैं। सर्दी का मौसम हो तो गरमा-गरम मिक्स पकौड़े चाय के साथ खाने का मजा ही कुछ और होता है। बेसन और देसी मसालों से बने ये पकौड़े बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं। घर में मौजूद साधारण सब्जियों से तैयार होने वाली यह रेसिपी हर उम्र के लोगों को पसंद आती है और इसे कोई भी आसानी से बना सकता है।

15 मिनट में बनने वाले मिक्स पकौड़े बनाने का सामान

बेसन झ 1 कप प्याज झ 1 बारीक कटा आलू झ 1 छोटा पतले स्लाइस में फूल गोभी झ आधा कप मिर्च पनीम हरी मिर्च झ 1 बारीक कटी अदरक झ 1 छोटी चम्मच कद्दूकस हल्दी झ आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर झ 1 चम्मच अजवाइन झ आधा चम्मच नमक झ स्वादानुसार पानी झ आवश्यकतानुसार तेल झ तलने के लिए

ये है सरल विधि

सबसे पहले एक बड़ा और सूखा बर्तन लें। इसमें 1 कप बेसन डालें और उसके बाद प्याज, आलू, गोभी, पनीर, मिर्च या अन्य उपलब्ध कटी हुई सब्जियां डालें। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, हल्दी, लाल मिर्च, अजवाइन और स्वादानुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह सूखे हाथ या चम्मच से मिला लें, ताकि मसाले सब्जियों में बराबर फैल जाएं। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए बेसन को मिलाएं। ध्यान रखें कि एक साथ ज्यादा पानी न डालें, वरना घोल पतला हो जाएगा। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि सब्जियां उसमें अच्छी तरह लिपटी रहें और टपकें नहीं।

उम्र, मौके और बॉडी टाइप के अनुसार ऐसे चुनें सही जैकेट

इस कंपकंपाती ठंड में जैकेट से बेहतर साथी शायद ही कोई हो। लेकिन हर जैकेट हर किसी पर एक जैसी नहीं जंचती। कोई जैकेट लुक को निखार देती है तो कोई पूरी पर्सनैलिटी को फीका कर देती है। ऐसे में सही जैकेट का चुनाव बेहद जरूरी हो जाता है, जो न सिर्फ आपको गरम रखे, बल्कि स्मार्ट, कॉन्फिडेंट और स्टाइलिश भी बनाए। जानकर भी कहते हैं कि उम्र, मौके और बॉडी टाइप के अनुसार चुनी गई जैकेट आपके पूरे आउटफिट को तुरंत आकर्षक बना सकती है।

वयस्क महिलाओं के लिए

30-40 वर्ष की महिलाएं प्रोफेशनल और एलीगेंट लुक के लिए टेलर्ड ब्लेजर चुन सकती हैं, जो ऑफिस के साथ-साथ स्मार्ट अपीयरेंस भी देता है। क्लासिक और सोफिस्टिकेटेड स्टाइल के लिए विंटेज-स्टाइल जैकेट बेहतरीन है। ठंड से बचाव और स्टाइल दोनों के लिए लॉन्ग कोट अच्छा रहता है। टाइमलेस फैशन के लिए ट्रेंच कोट उपयुक्त है, जबकि ग्लैमरस लुक चाहने वाली महिलाओं के लिए वेलवेट जैकेट शानदार रहती है। कैजुअल और आरामदायक स्टाइल के लिए फ्लैनल जैकेट भी शानदार रहती है।

बुजुर्गों के लिए

आपको जैकेट चुनते समय आराम और सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे में हल्की, गर्म और पहनने में आसान जैकेट सबसे बेहतर रहती है। सिंपल और एलीगेंट लुक के लिए क्लासिक वूलन जैकेट आदर्श विकल्प है। ज्यादा ठंड में लॉन्ग कोट शरीर को पूरी तरह ढककर

गरमाहट देता है। किसी पार्टी के लिए ग्रेसफुल लुक चाहती हैं तो ट्वीड जैकेट सबसे सही रहेगी। वहीं, रोजना पहनने के लिए हल्के वूल व कॉटन-ब्लेंड जैकेट सबसे आरामदायक और उपयोगी रहती हैं?और आपको परेशान नहीं करती।

फॉर्मल में काफी कुछ

ये जैकेट ऑफिस और सेमी-फॉर्मल इवेंट्स के लिए परफेक्ट लुक देती है और ऊन, लिनन व कॉटन जैसे विभिन्न फैब्रिक में आती है, जो स्टाइल के साथ आराम भी सुनिश्चित करती है। ट्रेंच कोट अपनी लंबाई और कमर पर बेल्ट के कारण ठंडे मौसम में स्मार्ट और एलीगेंट लुक प्रदान करता है। ओवरकोट प्रोफेशनल और फॉर्मल माहौल के लिए आदर्श माने जाते हैं। वहीं, डाउन जैकेट कड़ाके की ठंड में सही गरमाहट देती है। इसकी खासियत है कि यह वजन में हल्की होती है, जिससे रोजाना पहनने पर भी आरामदायक महसूस होती है।

कैजुअल में क्लास

अगर आप वर्किंग हैं, तो कैजुअल जैकेट रोजमर्रा की भाग-दौड़ और स्टाइल दोनों के लिए परफेक्ट हैं। डेनिम जैकेट हर तरह के आउटफिट के साथ आसानी से मैच हो जाती है और टिकाऊ भी होती है। बॉम्बर जैकेट स्पोर्टी और वर्सेटाइल लुक देती है, जबकि हल्की फ्लीस या कॉटन ब्लेंड जैकेट ऑफिस और कैजुअल आउटिंग दोनों के लिए आरामदायक है। यह जैकेट आराम, स्टाइल और व्यावहारिकता का बेहतरीन मिश्रण पेश करती हैं, जिससे हर रोज आपका लुक आकर्षक और स्टाइलिश नजर आता है।

उम्र के हिसाब से

फैशन डिजाइनर जयकीर्ति सिंह का कहना है कि उम्र और व्यक्तित्व के अनुसार जैकेट चुनना बहुत जरूरी है, ताकि आप लुक स्मार्ट, कॉन्फिडेंट और स्टाइलिश नजर आए। व्यक्तित्व के अनुसार जैकेट चुनने के लिए अपने स्वभाव और लुक को ध्यान में रखें। अगर आप बोल्ड हैं तो लेजर जैकेट या ओवरसाइज जैकेट चुनें। अगर आप क्लासिक और एलीगेंट हैं तो टेलर्ड ब्लेजर या क्लासिक ट्रेंच कोट चुनें। 20-30 साल की महिलाएं?अपने ट्रेंडिंग और स्टाइलिश लुक के लिए ओवरसाइज जैकेट चुनें, साथ ही अगर ?आपका व्यक्तित्व बोल्ड है तो लेदर जैकेट बेस्ट रहेगी। युवतियां एवरग्रीन लुक के लिए क्लासिक डेनिम जैकेट ट्राई कर सकती हैं। एलीगेंट पर्सनैलिटी पर टेलर्ड ब्लेजर और विंटेज स्टाइल जैकेट खूब फबती है। 40-50 साल तक की महिलाएं आरामदायक एवं ग्लैमरस पर्सनैलिटी के लिए लैनल जैकेट कैजुअल और वेलवेट जैकेट चुनें।

क्या आपका भी हर दूसरे दिन पेट हो जाता है खराब? जानिए इसके पीछे की असली वजह

इन दिनों पेट से जुड़ी परेशानियां आम होती जा रही हैं। गैस, अपच, कब्ज, पेट दर्द और मरोड़। अक्सर लोग गलत खानपान या तनाव की वजह से बार-बार पेट खराब होने की शिकायत करते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर समय रहते गट हेल्थ पर ध्यान न दिया जाए तो इसका असर पूरे शरीर पर पड़ सकता है। बता दें कि पेट की सेहत को ही गट हेल्थ कहा जाता है। लेकिन सही खानपान और कुछ आदतों को अपनाकर इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

पेट खराब होने के कारण

बैक्टीरिया या वायरस

अक्सर पेट खराब होने की सबसे बड़ी वजह बैक्टीरिया या वायरस होते हैं। दूषित पानी, बासी खाना या बाहर का अस्वच्छ भोजन खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है, जिससे दस्त, उल्टी और पेट दर्द शुरू हो जाता है। कुछ मामलों में वायरल इंफेक्शन भी पेट को प्रभावित करता है, जो कुछ दिनों तक परेशानी पैदा कर सकता है।

अनियमित भोजन

जब हम समय पर खाना नहीं खाते, देर रात भारी भोजन कर लेते हैं या लंबे समय तक भूखे रहते हैं, तो इसका सीधा

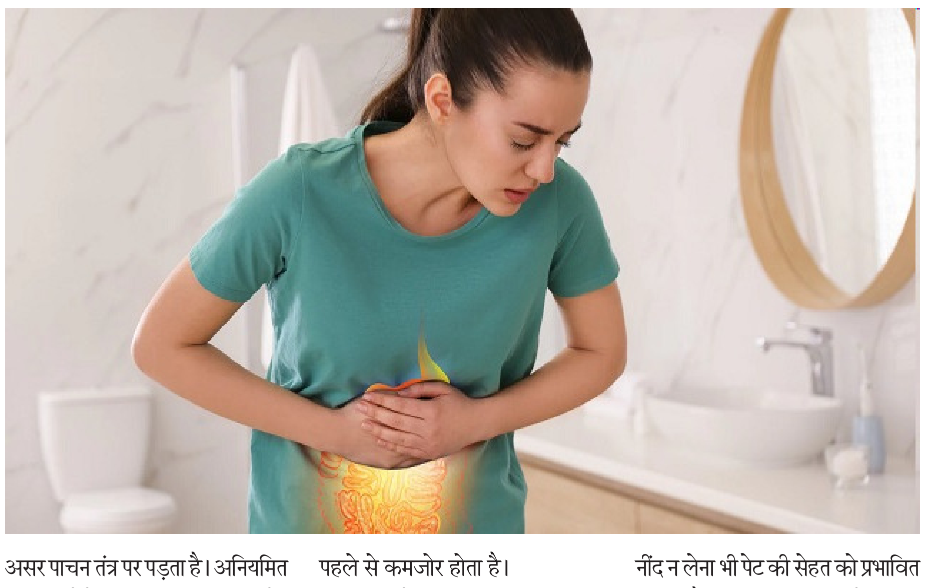

असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। अनियमित खानपान से पेट की पाचन क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बार-बार पेट खराब होने की समस्या हो सकती है।

तेल-मसाले वाला खाना

ज्यादा तला-भुना और मसालेदार भोजन पेट की अंदरूनी परत को परेशान कर सकता है। ऐसे खाने से एसिडिटी, गैस और दस्त की समस्या बढ़ जाती है, खासकर उन लोगों में जिनका पाचन पहले से कमजोर होता है।

दवाइयों या एलर्जी का असर

कुछ दवाइयां, जैसे एंटीबायोटिक्स या दर्द निवारक दवाएँ, पेट के अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुँचा सकती हैं। इसके अलावा, किसी खास खाने से एलर्जी होने पर भी पेट खराब, गैस या दस्त की शिकायत हो सकती है।

तनाव और नींद की कमी

लगातार तनाव में रहना और पूरी नींद न लेना भी पेट की सेहत को प्रभावित करता है। तनाव की वजह से पाचन क्रिया धीमी हो जाती है, जिससे पेट दर्द, अपच और बार-बार दस्त की समस्या हो सकती है।

वर्क प्रेशर और इमोशनल प्रेशर बन रहे मानसिक समस्याओं का बड़ा कारण

क्या खाएं

हल्का और आसानी से पचने वाला भोजनरू जब पेट बार-बार खराब हो रहा हो, तब हल्का और सादा खाना सबसे बेहतर रहता है। ऐसा भोजन पेट पर ज्यादा दबाव नहीं डालता और पाचन को आराम देता है।

दाल और सूखा अनाजः मूंग दाल, सादा चावल और ओट्स जैसे खाद्य पदार्थ पेट के लिए सुरक्षित माने जाते हैं। ये आसानी से पच जाते हैं और शरीर को जरूरी ऊर्जा भी देते हैं।

उबली हुई सब्जियांः लौकी, गाजर और पालक जैसी सब्जियां उबालकर खाने से पेट को राहत मिलती है। इनमें फाइबर और पोषक तत्व होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

दही और छाछः दही और छाछ में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट के अच्छे बैक्टीरिया को संतुलित रखने में मदद करते हैं। इससे दस्त और पेट की गड़बड़ी जल्दी ठीक हो सकती है।

फलः केला, सेब और पपीता जैसे फल पेट के लिए हल्के होते हैं। खासकर केला दस्त के दौरान शरीर में ऊर्जा बनाए रखने में मदद करता है।

सूप और हल्की खिचड़ीः सब्जियों का सूप या सादी खिचड़ी पेट को आराम देती है और शरीर को जरूरी पोषण भी देती है। यह भोजन बीमारी के दौरान बहुत उपयोगी माना जाता है।

पानी और हाइड्रेशनः पेट खराब होने पर शरीर में पानी की कमी जल्दी हो जाती है। इसलिए पर्याप्त पानी, नारियल पानी या नींबू पानी पीते रहना बहुत जरूरी है।

क्या न खाएं

तेल-मसाले वाला और फास्ट फूडरू फास्ट फूड और तला हुआ खाना पेट की समस्या को और बढ़ा सकता है। ऐसे भोजन से गैस, एसिडिटी और दस्त की शिकायत ज्यादा हो सकती है।

ज्यादा मीठा और पैकेज्ड खानाः केक, मिठाइयां और पैकेज्ड स्नैक्स में मौजूद शुगर और केमिकल पेट के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं, खासकर जब पाचन पहले से कमजोर हो।

अत्यधिक कॉफी या शराबः कॉफी और शराब पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुँचाती हैं। इससे जलन, दर्द और दस्त की समस्या बढ़ सकती है।

लिवर को ठीक रखने के लिए क्या खाएं और कैसे करें डिटॉक्स

लिवर शरीर का एक अहम अंग है, जो शरीर से टॉक्सिन्स निकालने और पाचन, ऊर्जा उत्पादन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में मदद करता है। अगर लिवर सही तरीके से काम नहीं करेगा, तो आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है। इसलिए इसे हेल्दी रखना बेहद जरूरी है। आप घर पर मौजूद साधारण चीजों से भी अपने लिवर

की देखभाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-सी चीजें लिवर को डिटॉक्स और स्वस्थ रखने में मदद करती हैं।

नींबू

नींबू विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है। यह शरीर से टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करता है। लिवर को मजबूत रखने के लिए रोजाना सुबह गुनगुने पानी में नींबू मिलाकर पीना फायदेमंद है। इससे पाचन भी सही रहता है और ऊर्जा बनी रहती है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर के लिए बहुत लाभकारी है। यह टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और सूजन कम करने में मदद करता है। सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना लिवर हेल्थ के लिए फायदेमंद है। साथ ही यह नींद और इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

चुकंदर और गाजर

चुकंदर और गाजर दोनों को सुपरफूड्स माना जाता है। इनमें बीटा-कैरोटीन और फ्लेवोनॉयड्स पाए जाते हैं। यह लिवर को साफ करने और डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया तेज करने में मदद करते हैं। आप इन्हें सलाद, जूस या सूप के रूप में रोजाना खा सकते हैं।

आंवला

आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है। यह लिवर को डिटॉक्स करने और उसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करता है। रोज सुबह आंवला जूस पीना लिवर को मजबूत बनाता है। इसके अलावा यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है।

लिवर हेल्थ के लिए सामान्य टिप्स

जंक फूड, तला-भुना और अधिक तेल वाली चीजों से बचें। शराब और धूम्रपान से दूर रहें। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। हरी सब्जियां, फल और नट्स को डाइट में शामिल करें। नियमित हल्की-फुल्की एक्सरसाइज और योग करें। आपके घर की साधारण चीजें जैसे नींबू, हल्दी, चुकंदर, गाजर और आंवला लिवर को स्वस्थ रखने और डिटॉक्स करने में मदद कर सकती हैं। इन्हें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करके आप लिवर की सेहत मजबूत रख सकते हैं।

नॉन स्मोकर्स में लंग्स कैंसर के क्या लक्षण होते हैं? सिगरेट नहीं पीते फिर भी रहें सावधान

भले ही आप धूम्रपान नहीं करते पर यदि आपमें कैंसर की फैमिली हिस्ट्री है या ऐसे स्थानों पर रहते हैं जहां वायु प्रदूषण का स्तर काफी अधिक बना रहता है तो इससे लंग्स कैंसर होने का खतरा हो सकता है। ऐसे लोगों में क्या लक्षण होते हैं, आइए इस बारे में जानते हैं। कैंसर वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर बीमारियों में से एक है। इसके हर साल न सिर्फ बड़ी संख्या में मरीज सामने आ रहे हैं बल्कि इस कैंसर से लाखों लोगों की मौत भी हो रही है। फेफड़ों की कोशिकाएं जब अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, तो इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। लाइफस्टाइल की गड़बड़ी, धूम्रपान, पर्यावरणीय परिस्थितयों को इस कैंसर के बढ़ते मामलों के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है। आंकड़े बताते हैं कि लंग्स कैंसर, कैंसर से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण है और ये दुनियाभर में सबसे ज्यादा रिपोर्ट किया जाने वाला कैंसर भी है। साल 2022 में इसके लगभग 2.5 मिलियन (25 लाख) नए मामले आए और 18 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गई। बढ़ती उम्र वाली आबादी और लंग्स कैंसर के रफ्तार को देखते हुए विशेषज्ञों की चिंता है कि साल 2050 तक मामलों में लगभग 90% की बढ़ोतरी हो सकती है। फेफड़ों के कैंसर के लिए मुख्य रूप से धूम्रपान (85% मामलों) की आदत को जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि अध्ययनों की रिपोर्ट बताती है कि नॉन स्मोकर्स यानी जो लोग सिगरेट नहीं पीते हैं उनमें भी इस कैंसर का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

भारत में लंग्स कैंसर के बढ़ते मामले

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने लंग्स कैंसर के बढ़ते खतरे को लेकर चेतावनी दी है कि 2030 तक भारत में फेफड़ों के कैंसर के मामलों में तेजी आने की आशंका है। देश में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ने का खतरा सबसे ज्यादा है। अब सवाल ये है कि जो लोग सिगरेट नहीं पीते उनमें ये कैंसर क्यों हो रहा है और ऐसे लोगों में लंग्स कैंसर के क्या लक्षण होते हैं? शोधकर्ता कहते हैं, भले ही आप धूम्रपान नहीं करते हैं पर यदि आपमें कैंसर की फैमिली हिस्ट्री रही है, ऐसे स्थानों पर रहते हैं जहां वायु प्रदूषण का स्तर काफी अधिक बना रहता है या फिर ऐसे कार्यों से जुड़े हैं जहां रसायनों के अक्सर संपर्क में रहते हैं तो इससे लंग्स कैंसर हो सकता है।

नॉन स्मोकर्स में क्यों बढ़ रहा है लंग्स कैंसर?

येल मेडिसिन में ऑन्कोलॉजिस्ट एनी चियांग कहती हैं, नॉन स्मोकर्स में बढ़ते फेफड़ों के कैंसर के मामले काफी चिंताजनक हैं। हालांकि अच्छी खबर यह है कि धूम्रपान न करने वालों को होने वाले फेफड़ों के कैंसर के प्रकार उतने गंभीर नहीं होते हैं और इसके उपचार के लिए दवाएं उपलब्ध हैं। एडेनोकार्सिनोमा, धूम्रपान न करने वालों में देखा जाने वाला सबसे आम फेफड़ों का कैंसर है, जो अक्सर फेफड़ों के बाहरी हिस्सों में, छोटे वायुमार्गों या बलगम बनाने वाली कोशिकाओं में शुरू होता है।

यूजीसी के खिलाफ सवर्णों का प्रदर्शन,केंद्र सरकार से बिल वापस लेने की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के हजरतगंज में सवर्णों की तरफ से यूजीसी एक्ट के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोग गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। हजरतगंज एसीपी विकास जायसवाल ज्ञापन लेने के लिए पहुंचे तो प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि जिलाधिकारी मौके पर आएं तभी धरना खत्म होगा। इस मौके पर लोगों का कहना है कि हम बीजेपी के लिए लाठियां खा रहे हैं,लेकिन इसके बदले हमें यह मिल रहा है। प्रदर्शन करने पहुंचे भानु पांडेय ने सरकार बोला कि जो कल तक हिंदुओं की नुमाइंदगी की बात करते थे वह आज समाज को बांटने में लगे हुए है, आखिर सवर्ण समाज की गलती क्या है? यही कि उसने अपना बोट देकर इनको सता प्रदान की। अगर यह काला बिल जल्द वापस न लिया गया तो हम लोग दिल्ली कूच करेंगे। धर्मेंद्र प्रधान ने भाजपा की लगा दी वाट, भाजपा की खड़ी हो गई खाट... बोलो सारा रा। इस अवसर पर ब्राहाण परिवार संगठन के प्रवक्ता अभिषेक अग्निहोत्री ने बोला कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी अमेंडमेंट से सवर्ण समाज में आक्रोश का माहौल है।

'डॉक्टर ने कहा था मेरे पास तीन से छह महीने बचे हैं', युवी का खुलासा; संन्यास का कारण भी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सानिया मिर्जा के साथ पॉडकास्ट में अपने करियर और कैंसर के दिनों के बारे में खुलकर बात की है। युवराज ने बताया कि किस तरह उन्हें दिक्कतें शुरू हुई और डॉक्टरों ने उन्हें क्या कहा था। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खुलासा करते हुए बताया है कि जब उन्हें कैंसर के बारे में पता चला तो डॉक्टर ने उनसे कहा था कि उनके पास तीन से छह महीने बचे हैं। युवराज ने 2011 वनडे विश्व कप में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया था। विश्व कप के बाद युवराज का कैंसर का इलाज हुआ था और उन्होंने पूरी तरह ठीक होने के बाद मैदान पर वापसी की थी। युवराज को एक साल से महसूस हो रहा था बदलाव युवराज ने टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के साथ बातचीत में कहा, मुझे अपने शरीर में एक साल से बदलाव नजर आ रहा था। मुझे लगातार फ्रैक्चर हो रहा था और खाना भी नहीं पच रहा था क्योंकि ट्यूमर था। मुझे उस वक्त तक नहीं पता था कि मेरे शरीर में ट्यूमर है। मैंने बस क्रिकेट को प्राथमिकता दी क्योंकि मैं अपने करियर के पीक पर था। मैं एकमात्र खिलाड़ी हूं जो अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर होने के बावजूद प्रदर्शन नहीं कर पा

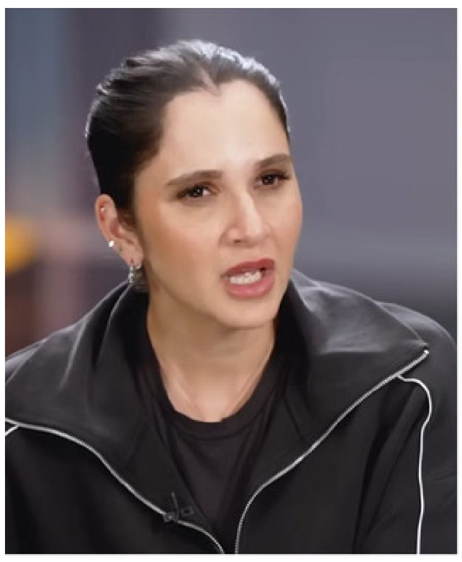

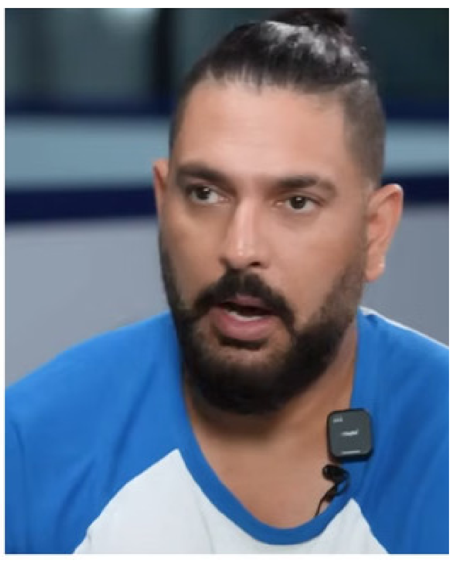

रहा था क्योंकि मैं किसी चीज से जूझ रहा था। युवराज ने कहा, मुझे उस समय तक नहीं पता था कि मुझे कैंसर हो गया है। मैं भाग्यशाली था कि मैं क्रिकेट को प्राथमिकता दे पा रहा था। भारत में विश्व कप होना था और मुझे हर चीज को साइड में रखकर क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना था। हालांकि, मैं शरीर से संघर्ष कर रहा था। जब हमने विश्व कप जीता और ये सब शुरू हुआ तो मुझे कैंसर का इलाज कराना था। मुझे साल के अंत में इलाज के लिए जाना था, हालांकि, मुझे पहले ही जाना चाहिए था क्योंकि डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि मेरे पास तीन से छह महीने का समय ही शेष है। या तो आप क्रिकेट खेलें और मैदान पर ही अपना जान गंवा दें या फिर अपना इलाज कराएं। दोबारा मैदान पर उतरने के लिए प्रतिबद्ध थे युवी पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, सौरव गांगुली संन्यास ले चुके थे और मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना काफी जरूरी थी। मेरे पास अवसर था कि मैं नियमित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेलूं। फिर मैं अपना इलाज कराने के लिए चला गया। यह एक कठिन सफर था जिसे मैं शब्दों में भी बयां नहीं कर सकता। लेकिन मैं दोबारा भारत के लिए खेलने को लेकर प्रेरित था क्योंकि सभी लोग कह रहे थे कि मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा। 'मुझे सम्मान नहीं मिल रहा था' युवराज ने साथ ही कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा जिस कारण उन्होंने जून 2019 में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला लिया। युवराज ने 2017 से किसी भी प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया था और उन्होंने 2019 में अपने करियर को लेकर फैसला लिया। युवराज ने स्वीकार किया कि क्रिकेट से उन्हें जो आनंद मिलता था, वह धीरे-धीरे खत्म हो गया था। युवी ने कहा, मुझे अपने खेल में मजा नहीं आ रहा था। मुझे लग रहा था कि जब मुझे क्रिकेट खेलने में मजा ही नहीं आ रहा तो मैं क्यों खेल रहा हूं? मुझे समर्थन नहीं मिल रहा था। मुझे सम्मान नहीं मिल रहा था और मुझे लगा कि जब मेरे पास यह नहीं है तो मुझे यह क्यों करना चाहिए? मैं उस चीज से क्यों जुड़ा हुआ हूं जिसमें मुझे मजा नहीं आ रहा? मुझे खेलने की क्या जरूरत है? क्या साबित करने के लिए? मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता, न मानसिक रूप से और न ही शारीरिक रूप से, और इससे मुझे तकलीफ हो रही थी। जिस दिन मैंने खेलना बंद किया मैं फिर से पहले जैसा हो गया।

'सस्ते कर्ज ने शेयर बाजार को बहुत महंगा कर दिया', सीईए ने क्या-क्या चिंता जाहिर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक सर्वेक्षण के बाद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने शेयर बाजार को बहुत महंगा बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सस्ते कर्ज के कारण बनी है। उन्होंने जीडीपी ग्रोथ 6.8-7.2% रहने का अनुमान जताया और कुछ चेतावनी भी दी। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से

संसद में आर्थिक समीक्षा पेश किए जाने के बाद मीडिया से बात की। सीईए ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल के बीच एक उम्मीद करार दिया, लेकिन साथ ही बाजारों, एआई और घरेलू नीतियों को लेकर स्पष्ट चिंता भी जाहिर की। नागेश्वरन का सबसे बड़ा बयान शेयर बाजार के मौजूदा वैल्युएशन को लेकर आया, जो निवेशकों के लिए सतर्क रहने का संकेत है। 1. बाजार पर चेतावनीः 'ईजी मनी' का साइड इफेक्ट सीईए अनंत नागेश्वरन ने स्टॉक मार्केट में चल रही तेजी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, ₹आसान नकदी के दौर का नतीजा यह हुआ है कि स्टॉक मार्केट बहुत महंगा हो गया है₹। यह बयान ऐसे समय आया है जब खुदरा निवेशक बाजार में भारी निवेश कर रहे हैं। उनका इशारा स्पष्ट है कि लिक्विडिटी (तरलता) के दम पर चल रही रैली में वैल्युएशन जमीनी हकीकत से दूर हो सकते हैं। 2. विकास दरः 7% की क्षमता, पर शर्तें लागू सीईए ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8% से 7.2% के बीच रहने का अनुमान है। संभावित क्षमताः उन्होंने कहा कि भारत की संभावित जीडीपी वृद्धि दर 7% है। शर्तः यदि मैन्युफैक्चरिंग और विकास से जुड़े सुधारों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो यह आंकड़ा 7.5% से 8% तक पहुंच सकता है। 3. 'रणनीतिक स्वदेशी' की वकालत वैश्वीकरणके बदलते स्वरूप पर नागेश्वरन ने दो टूक कहा कि अब व्यापार पारस्परिक नहीं रहा और बाजार तटस्थ नहीं रहे।

टूनार्मेंट में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं जोकोविच, 25वें ग्रैंडस्लैम से बस दो जीत दूर

मेलबर्न (एजेंसी)। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। सिनर-अल्काराज ने रोका जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला

खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।' '15 साल बनाया दबदबा' उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।' 'खुद का इतिहास रच रहा हूं' जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।' ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। 25वें ग्रैंडस्लैम से दो जीत दूर इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

घरेलू बाजार बढ़त के साथ हुआ बंद; सेंसेक्स 222 अंक उछला, निफ्टी 25400 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक उछलकर

82,566.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक की बढ़त के साथ 25,418.90 पर बंद हुआ। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। ब्लू-चिप शेयरों लार्सन एंड टुब्रो में तेजी और आर्थिक सर्वेक्षण में आगामी वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि के 6.8-7.2 प्रतिशत के अनुमान के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को उच्च स्तर पर बंद हुए। शुरूआती गिरावट से उबरते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक या 0.27 प्रतिशत चढ़कर 82,566.37 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार के दौरान, इसमें 636.74 अंक या 0.77 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 81,707.94 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़कर 25,418.90 पर बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में व्यापक सूचकांक 182.95 अंक या 0.72 प्रतिशत गिरकर 25,159.80 के निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी फंडों के बिकवाली दबाव और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की भावना के बीच रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 91.96 (अस्थायी) के करीब बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.41 प्रतिशत की उछाल देखी गई। एक्सिस बैंक, इटरनल, एनटीपीसी, अदानी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक भी लाभ कमाने वालों में शामिल थे। हालांकि, एशियन पेंट्स, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। लार्सन एंड टुब्रो के परिचालन राजस्व में हुई 10 प्रतिशत बढ़ी अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में लार्सन एंड टुब्रो का समेकित परिचालन राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 64,668 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत बढ़कर 71,450 करोड़ रुपये हो जाने के बाद इसके शेयरों में 3.66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आर्थिक सर्वेक्षण में क्या रहा जीडीपी का अनुमान आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में सुधारों के संचयी प्रभाव के आधार पर अगले वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि 6.8-7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है और कहा गया है कि अर्थव्यवस्था स्थिर स्थिति में बनी हुई है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत इस वर्ष के दौरान समाप्त होने की उम्मीद है, एक ऐसा घटनाक्रम जो बाहरी मोर्चे पर अनिश्चितता को कम करने में मदद कर सकता है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹घरेलू बाजार मजबूत आर्थिक सर्वेक्षण के समर्थन से उच्च स्तर पर बंद हुए, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए मजबूत विकास दृष्टिकोण की पुष्टि की और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मुद्रास्फीति के स्थिर माहौल को बनाए रखा। यूरोपीय बाजार में दिखी तेजी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में तेजी देखी गई। अमेरिकी बाजार बुधवार को स्थिर बंद हुए।

ग्लोबल हेल्थ हब बनाने व रिसर्च का मास्टर प्लान, 1.25 लाख करोड़ का आंकड़ा पार सकता है स्वास्थ्य बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए वित्त मंत्री इस बार स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए तिजोरी खोल सकती हैं। इस बार स्वास्थ्य बजट 1.25 लाख करोड़ के जादुई आंकड़े को पार कर सकता है। बजट का एक्स-फैक्टर शोध,

नवाचार, ट्रेनिंग और शिक्षा के बुनियादी ढांचे पर होने जा रहा है। दवा और उपकरण निर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए रिसर्च मद में 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन हो सकता है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह फंड काफी महत्वपूर्ण होगा। बजट में मेडिकल शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए हर जिले में विशेष हेल्थ-स्किल हॉस्टल बनाने की बड़ी घोषणा भी संभव है। इसका मकसद ग्रामीण और मध्यवर्गीय युवाओं को पढ़ाई के दौरान आवासीय संकट से उबारना है, ताकि देश को भविष्य के लिए दक्ष स्वास्थ्य कर्मी मिल सकें। एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. एमसी मिश्रा का कहना है कि शोध और हॉस्टल जैसे बुनियादी ढांचे पर निवेश दीर्घकालिक परिणाम देगा। प्रति व्यक्ति प्रतिदिन एक रुपये का हेल्थ सेस लगाकर सरकार ऐसी योजनाओं के लिए भारी फंड जुटा सकती है। मेडिकल डिप्लोमेसी से आएगा डॉलर दुनिया की बदलती राजनीति ने भारत के लिए मेडिकल टूरिज्म के नए द्वार खोल दिए हैं। ट्रंप प्रशासन की वीजा सख्ती और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के बीच भारत अपनी सॉफ्ट पावर को भुनाने की तैयारी में है। बजट में हील इन इंडिया प्रोग्राम के जरिये 10.5 अरब डॉलर के बाजार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा जा सकता है। भारत का सस्ता-विश्वसनीय इलाज पश्चिमी देशों से डॉलर हासिल करने का सबसे बड़ा जरिया बनेगा। गुणवत्ता, कौशल और स्मार्ट लैब पर जोर विशेषज्ञों का कहना है, बजट का फोकस गुणवत्ता और कौशल पर होगा। सरकार हर जिले में एक स्मार्ट लैब बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में जांच सुविधाओं को सुलभ बनाने पर जोर देगी।?इससे एम्स जैसे अस्पतालों पर दबाव घटेगा।

यह स्टार ऑलराउंडर बनीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की नई कप्तान, भारत के खिलाफ शुरू करेंगी अभियान

सिडनी (एजेंसी)। सोफी एलिसा हीली को रिप्लेस करेंगी। हीली भारत के खिलाफ सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरूआत 15 फरवरी से होगी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम को नई कप्तान मिल गई है। स्टार ऑलराउंडर सोफी मोलिनी को गुरुवार को अगले महीने वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और इस घरेलू सीरीज के बाद वह एलिसा हीली की जगह सभी प्रारूपों में कप्तानी संभालेंगी। हीली ने घोषणा की थी कि भारत के खिलाफ खेलने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी।

भारत के खिलाफ वह तीन वनडे और एक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की सभी प्रारूपों के लिए टीमों की घोषणा गुरुवार को की गई। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को सिडनी में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से शुरू होगा। बाकी दो मैच 19 और 21 फरवरी को क्रमशः कैनबरा और एडिलेड में खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज 24, 27 फरवरी और एक मार्च को खेली जाएगी। पहला मैच ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में जबकि अगले दो मैच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में खेले जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ के प्रतिष्ठित वाका ग्राउंड में छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा। मैकग्रा उपकप्तान के रूप में बरकरार इसके बाद मार्च में वेस्टइंडीज के दौरे पर 28 साल की मोलिनी सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान होंगी। ताहलिया मैकग्रा को टी20 में उपकप्तान के रूप में बरकरार रखा गया है, जबकि एक अन्य स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर एशले गार्डनर को भी टी20 में ही उपकप्तान नियुक्त किया गया है। निकोला कैरी ने सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल 19 वर्षीय लूसी हैमिल्टन को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। फीबी चोटिल होने के बावजूद टीम में चयनकताओं ने बाएं हाथ की बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड को चोटिल होने के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से बाहर होने के बावजूद सभी प्रारूपों में अपनी टीमों में शामिल किया है। अलाना किंग को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

आइसलैंड क्रिकेट ने इस तरह लिए पीसीबी के मजे, विश्व कप में भागीदारी पर क्यों जल्द फैसला लेने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर अपना रुख अब तक स्पष्ट नहीं किया है। इस बीच, आइसलैंड क्रिकेट ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मजे लिए हैं और उनसे टूनार्मेंट में शामिल होने को लेकर जल्द फैसला लेने के लिए कहा है। आइसलैंड क्रिकेट ने टी20 विश्व कप का बहिष्कार करने की धमकी को लेकर पाकिस्तान के मजे लिए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है जबकि टी20 विश्व कप की शुरूआत होने में अब ज्यादा समय भी शेष नहीं रह गया है।

हाल ही में पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश को दिखाया था बाहर का रास्ता आईसीसी ने हाल ही में बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया था क्योंकि उसने भारत में खेलने से इनकार कर दिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड टीम को शामिल किया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा का हवाला देते हुए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया था और आईसीसी से उसके मुकाबले श्रीलंका में कराने की मांग की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश का यह प्रस्ताव खारिज कर दिया था। पाकिस्तान इस मामले में कूदा और बांग्लादेश का समर्थन करते हुए आईसीसी को ही घेरने लगा। पीसीबी के रुख का इंतजार पीसीबी ने अब तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन इसे लेकर अब आइसलैंड क्रिकेट ने पाकिस्तान के मजे लिए हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि अगर 2009 की चैंपियन टीम टी20 विश्व कप में नहीं खेलती है तो आइसलैंड उनकी जगह लेने के लिए तैयार है।

टैरिफ जंग के बीच मोदी सरकार का आक्रामक सुधार एजेंडा, बजट से विकास को मिलेगी नई रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ संकट और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिहाज से मोदी सरकार के लिए यह बजट कई मायनों में खास होगा। अर्थशास्त्री डॉ. शरद कोहली का कहना है कि यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के तुरंत बाद पेश होने वाले बजट में सरकार को जोर सुधारों पर होगा,

ताकि जीडीपी की मौजूदा रफ्तार को बनाए रखने के साथ उसमें और तेजी लाई जा सके। वैश्विक अर्थव्यवस्था में उच्च अमेरिकी टैरिफ से हड़कंप मचा है। भू-राजनीति तेजी से बदल रही है। ऐसे चुनौतीभरे माहौल के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को सुधार आधारित बजट पेश करने जा रही हैं। यह बजट देश की विकास दर को रफ्तार देने वाला होगा। साथ ही, भारत को सुरक्षित निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। बजट-2026 का सीधा संदेश है...आक्रामक सुधार और तेज वृद्धि। रिकॉर्ड नौवीं बार बजट पेश करने जा रहीं वित्त मंत्री निवेश बढ़ाने के लिए इंडिया डेवलपमेंट एंड स्ट्रैटेजिक फंड की घोषणा कर सकती हैं। यह फंड हरित ऊर्जा, एमएसएमई और युवा कौशल विकास की दिशा बदलने वाला होगा।? दरअसल, मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में सुधारों के अच्छे परिणाम दिखे हैं। महज एक साल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 73 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़त देखने को मिली है। इस दौरान 47 अरब डॉलर का निवेश भारत आया। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण विनिर्माण और निर्यात में भी 20 फीसदी की वृद्धि हुई। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात ने 37 फीसदी की छलांग लगाई और पहली बार 4.15 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

अयोध्या जिला जेल से भागे रेप-हत्या के आरोपी दो बंदी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई। रेप और हत्या जैसे गंभीर मामलों में बंद दो कैदी जेल से फरार हो गए। दोनों बंदियों ने बैरक में लगी ग्रिल काटी और बांस के सहारे चारदीवारी पार कर ली, वहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी नहीं थी। घटना की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और पुलिस ने तत्काल तीन टीमें गठित कर तलाश अभियान शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों कैदी बैरक से बाहर निकलने के बाद जेल के पिछले हिस्से की ओर पहुंचे, जहां हरियाली अधिक होने के कारण निगरानी कमजोर थी। उन्होंने बांस और अन्य सामान का इस्तेमाल कर चारदीवारी फांदी और फरार हो गए। फरार बंदियों में अमेठी जिले के मुसाफिरखाना निवासी गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज अग्रहरि और सुल्तानपुर निवासी शेर अली शामिल हैं। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के मुताबिक पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि दोनों बंदी जेल के पिछले हिस्से से बांस के ऊंचे पेड़ों का सहारा लेकर दीवार पार कर गए। गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमें लगाई गई हैं। एक बंदी हत्या के प्रयास के मामले में जबकि दूसरा बलात्कार के आरोप में जेल में निरुद्ध था। दो बंदियों के फरार होने के मामले में जेल प्रशासन पर बड़ी कार्रवाई की गई है।

महिलाओं को लेकर दिए बयान पर ट्रोल हुईं रानी मुखर्जी, फूटा यूजर्स का गुस्सा

बोले- आपको यह मजाक लग रहा है?

रानी मुखर्जी ने हाल ही में इंडस्ट्री में अपने तीस साल पूरे किए हैं। अब उनकी फिल्म' 'मदार्नी 3' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का प्रमोशन जोर-शोर से करते हुए रानी महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात कर रही हैं। मगर इस बार कुछ ऐसा हुआ कि रानी को सोशल मीडिया यूजर्स के गुस्से का सामना करना पड़ गया। अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म 'मदार्नी 3' इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक्ट्रेस इन दिनों इस फिल्म के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। पिछले दिनों जब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ तब रानी को फैंस समेत सेलेब्स का भी खूब प्यार मिला था। अब हाल ही में रानी ने महिलाओं को लेकर ऐसा बयान दिया जो फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया। जानें उन्होंने क्या कहा? घर के माहौल पर क्या बोलीं रानी? बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में रानी आम घरों में महिलाओं की स्थिती पर बात कर रहीं थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, 'एक घर में रहने वाले जोड़े के बीच बराबरी होनी चाहिए। अगर पुरुष अपनी आवाज तेज कर सकता है ? तो महिलाओं को भी चिल्ला कर बात करनी चाहिए। अक्सर बेटे का व्यवहार उसके पिता पर आधारित होता है। जिस तरह उसके पिता उसकी मां के साथ व्यवहार करेंगे वैसा ही वो करेगा। अगर पिता का व्यवहार मां के साथ अच्छा होगा तो वो आगे जाकर समाज में भी लड़कियों के साथ भी अच्छा ही व्यवहार करेगा। ये सब कुछ हमारे घर से शुरू होता है।' सोशल मीडिया यूजर्स हुए नाराज रानी को इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स के गुस्से का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया।

19 साल कैसे बीत गए पता ही नहीं चला..सालगिरह पर बीवी के नाम मनीष पॉल का खास पोस्ट, लिखा-अपना बेस्ट बनने के लिए..

फेमस एक्टर और टेलीविजन होस्ट मनीष पॉल की आज वेडिंग एनिवर्सरी है। 29 जनवरी को एक्टर को उनकी पत्नी संयुक्ता पॉल संग शादी हुए 19 कंप्लीट हो गए हैं। ऐसे में दोनों के दिल एक दूजे के लिए प्यार से भरे हुए हैं। वहीं, इस खास अवसर पर मनीष

पॉल ने अपनी बीवी के नाम खास नोट शेयर किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। मनीष पॉल के शादी की सालगिरह का जश्न मनाते हुए पत्नी के नाम एक नोट के साथ अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा-हैप्पी एनिवर्सरी मनीष पॉल ने अपने इस पोस्ट में शादीशुदा जिंदगी की सच्चाई को बेहद खूबसूरती से बयां किया है, जहां उतार-चढ़ाव, समझौता, दोस्ती और बिना शर्त साथ निभाने की भावना शामिल होती है। मनीष का यह पोस्ट फैंस को खूब पसंद आ रहा है, जिस पर बधाइयों, प्यार और तारीफों की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की भागदौड़ भरी जिंदगी के बावजूद अपने रिश्ते को मजबूती से निभाने के लिए इस कपल की सराहना भी की।

सनी देओल ने वीडियो शेयर कर किया फैंस का शुक्रिया

सेलेब्स ने किए दिलचस्प कमेंट्स

सनी देओल ने आज सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए सनी ने अपनी फिल्म 'बॉर्डर 2' को पसंद करने के लिए फैंस का धन्यवाद किया है। सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। फिल्म की रिलीज को आज पूरे सात दिन हो चुके हैं। इन सात दिनों में 'बॉर्डर 2' ने अब तक कुल 216.6 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है, जो लगातार बढ़ता रहा है। फिल्म 'बॉर्डर 2' को मिल रहे इसी प्यार को लेकर सनी देओल ने आज सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। क्या खास है इस वीडियो में? सनी देओल ने आज इंस्टाग्राम हैंडल पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह किसी ठंडी जगह पर नजर आ रहे हैं, क्योंकि उनके पीछे बर्फ नजर आ रही है। इस वीडियो में सनी ने कहा, 'आवाज कहां तक गई, आपके दिलों तक।' इसके आगे सनी ने कहा, 'आपको मेरी बॉर्डर फिल्म बहुत पसंद आई, इसके लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी को प्यार।' सनी का फैंस के लिए खास नोट इस शानदार वीडियो के साथ सनी देओल ने अपने फैंस के लिए इस पोस्ट के साथ कुछ खास लिखा भी है। सनी ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'मेरी, आपकी, हमारी 'बॉर्डर 2' को इतना प्यार देने के लिए, आप सबको बहुत प्यार।' इस पोस्ट के साथ सनी ने लाल दिल वाले इमोजी भी बनाए हैं। सेलेब्स के रिएक्शन सनी के इस लाजवाब वीडियो पर कई सेलेब्स और फैंस ने अपना प्यार जताया है। एक्ट्रेस सोनू वालिया ने लिखा, 'इस अपार सफलता पर हार्दिक बधाई।' करणवीर शर्मा, मोना सिंह, बॉबी देओल, मनीष पॉल, विनीत कुमार सिंह, सनी के बड़े बेटे करण देओल और एशा धर्मेंद्र देओल ने भी इस वीडियो पर लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं एक फैन ने लिखा, 'लव यू टू सनी पाजी' और दूसरे फैन ने लिखा, 'आप हमारी शान हो, आपकी अगली फिल्म का इंतजार है।' 'बॉर्डर 2' का कलेक्शन 'बॉर्डर 2' इस साल 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं। इस फिल्म की रिलीज को आज गुरुवार को पूरे सात दिन हो चुके हैं।

सम्मानित अभिनेता एनटीआर के अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का आया अहम निर्णय

सम्मानित अभिनेता नंदमुरी तारक रामा राव (एनटीआर) के पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए माननीय दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश पारित किया है। कोर्ट का दखल एक्टर की उस पिटीशन के बाद आया है, जिसमें उन्होंने अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर उनकी पहचान के बड़े पैमाने पर बिना इजाजत और कमर्शियल गलत इस्तेमाल का जिक्र किया था। इस मामले पर ध्यान देते हुए, माननीय हाई कोर्ट ने उनके पर्सनैलिटी राइट्स को सुरक्षा दी। यह प्रोटेक्शन उनके नाम और पॉपुलर पहचान जैसे एनटीआर तारक, नंदामुरी तारक रामा राव जूनियर, जूनियर. नंदामुरी तारक रामाराव और उनके निकनेम जैसे मैन ऑफ मासेज, यंग टाइगर वगैरह के गैर-कानूनी कमर्शियल इस्तेमाल को कवर करता है, साथ ही उनकी इमेज, शक्ल और संबंधित चीजों को भी। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि अगर ऐसा कोई भी गैर-कानूनी इस्तेमाल पाया जाता है, तो उसे लागू कानूनों के अनुसार हटा दिया जाना चाहिए। खास बात यह है कि माननीय कोर्ट ने पहली नजर में ही साफ तौर पर माना है कि नंदामुरी तारक रामाराव (एनटीआर) ने भारत में एक सेलिब्रिटी का दर्जा हासिल कर लिया है, और अपने सफल करियर के दौरान बहुत ज्यादा सद्भावना और इज्जत कमाई है। कोर्ट ने कहा कि उनका नाम, इमेज और पहचान लोगों के मन में उनसे खास तौर पर जुड़ी हुई है, जिससे उन्हें अपनी पर्सनैलिटी और उससे जुड़ी चीजों पर मालिकाना हक मिलता है। माननीय कोर्ट ने आगे यह भी माना कि पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी अधिकार भारत के संविधान के आर्टिकल 19 और 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का एक जरूरी हिस्सा हैं, और इन्हें कॉपीराइट एक्ट, 1957 और ट्रेड मार्क्स एक्ट, 1999 के प्रावधानों के जरिए लागू किया जा सकता है। इसके अलावा, इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया गया है कि वे शिकायत को इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 के तहत एक कानूनी शिकायत मानें, और तय कानूनी समय-सीमा के अंदर पहचाने गए उल्लंघन करने वाले लिंक्स पर कार्रवाई करें। कोर्ट ने अज्ञात और गुमनाम संस्थाओं (जॉन डो डिफेंडेंट्स) के खिलाफ भी निर्देश जारी किए हैं, जिसमें किसी भी व्यक्ति, जिसमें ऑनलाइन ट्रोल और अज्ञात अपराधी शामिल हैं।

बॉर्डर 2 की शूटिंग के दौरान वरुण धवन को टेलबोन में लगी थी चोट, बीटीएस वीडियो के साथ शेयर किया अनुभव

एक्टर वरुण धवन इन दिनों 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर सुर्खियों में है। फिल्म में एक्टर ने मेजर होशियार सिंह की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि, इस किरदार में खरा उतरने के

लिए वरुण ने जी तोड़ मेहनत की थी और इसकी शूटिंग के दौरान वे बुरी तरह घायल भी हो गए थे। इस बात का खुलासा वरुण ने हाल ही में एक बीटीएस वीडियो शेयर कर किया है। वरुण धवन ने बॉर्डर 2 का जो बीटीएस वीडियो शेयर किया है उसमें देखा जा सकता है कि पहले वह जमीन पर लेट कर एक्टिंग करते हैं। इसके बाद उन्हें साथी कलाकार धक्का देता है। वरुण धवन आगे जाकर एक बॉक्स, फिर दीवार से टकरा जाते हैं। इसके बाद वह साथी कलाकार से रुकने के लिए कहते हैं। वीडियो के कैप्शन में वरुण धवन ने लिखा-बॉर्डर 2 में मुझे अब तक की सबसे बुरी चोट लगी। जब मैं कैमरे से टकराने से बचने की कोशिश कर रहा था, तब मेरी टेलबोन एक चट्टान से टकरा गई। यह अब तक का सबसे बुरा दर्द था। मेरी टेलबोन में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया। मुझे लगता है कि मैं इससे अभी भी ठीक हो रहा हूं। उस दिन मेरी मदद करने के लिए मैं अपनी टीम का शुक्रगुजार हूं। मैं मुश्किल से चल पा रहा था लेकिन हमने हार नहीं मानी। इस सफर के लिए मैं आभारी हूं। आपको बता दें कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म बॉर्डर 2 में वरुण धवन के अलावा सनी देओल, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम किरदारों में हैं। यह भारत-पाकिस्तान के 1971 युद्ध पर आधारित है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी कमाई कर रही है।

नशे में धुत होकर गाड़ी चला रहे थे मयूर पटेल, 4 कारों में मारी टक्कर, एफआईआर दर्ज

कन्नड़ एक्टर मयूर पटेल को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। एक्टर ने नशे की हालत में चूर होकर सड़क हादसे को अंजाम दे दिया। उन्होंने नशे की हालत में लापरवाही से फॉर्च्यूनर गाड़ी चलाते हुए खड़ी 4 गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई शख्स घायल नहीं हुआ। हालांकि, इस मामले में एक्टर के खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज हो गई है। मयूर पटेल ने नशे में धुत जिस

व्यक्ति की गाड़ी को टक्कर मारी उसी व्यक्ति ने एक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद पुलिस ने एक्टर की कार को जब्त कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये हादसा बेंगलुरु के सिलिकॉन सिटी के ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर कमांडो अस्पताल सिग्नल के पास हुआ। मयूर नशे में धुत तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे और इस दौरान सिग्नल पर पीछे से खड़ी कारों में मयूर ने फॉर्च्यूनर से जोरदार टक्कर मार दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे के बाद हलासुरु ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और एक्टर को हिरासत में लेकर ड्रिंक एंड ड्राइव टेस्ट करवाया। इस दौरान पता चला कि एक्टर ने शराब पी रखी थी।

रिपोर्ट्स यह भी हैं कि मयूर पटेल ने जिस व्यक्ति (श्रीनिवास) की गाड़ी को टक्कर मारी है, वो बुरी तरह तहस-नहस हो गई है। इसके बाद श्रीनिवास ने रोते हुए पुलिस से कहा- मैंने एक हफ्ते पहले ही पत्नी के गहने गिरवी रखकर ये नई कार खरीदी थी। इसी कार को कंपनी में किराए पर चलाकर घर चला रहा था। 5 फरवरी को पहली किस्त देनी है। अगर कार खराब हो गई, तो कर्ज कैसे चुकाऊंगा? वहीं पुलिस ने एक्टर की जिस कार को जब्त किया है उसका बीमा भी समाप्त हो चुका था। फिलहाल पुलिस ने एक्टर की फॉर्च्यूनर गाड़ी को जब्त कर लिया है और हलासुरु ट्रैफिक स्टेशन में मामला दर्ज हो गया है।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, अखिलेश ने फैसले का किया स्वागत

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाने के फैसले का स्वागत किया और कहा कि सच्चा न्याय यह सुनिश्चित करने में है कि किसी पर भी अत्याचार या अन्याय न हो। यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, सच्चा न्याय किसी के साथ अन्याय नहीं होता है, माननीय न्यायालय यही सुनिश्चित करता है। कानून की भाषा भी साफ होनी चाहिए और भाव भी। बात सिर्फ नियम नहीं, नीयत की भी होती है। उन्होंने कहा, न किसी का उत्पीड़न हो, न किसी के साथ अन्याय, न किसी पर जुल्म-ज्यादती हो, न किसी के साथ नाइंसाफी। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हालिया नियमों के खिलाफ दायर कई याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए इस पर रोक लगा दी। इन याचिकाओं में दलील दी गई थी कि आयोग ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने विनियमन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किए।

जलवायु परिवर्तन से दक्षिणी अफ्रीका में भीषण बाढ़

100 से ज्यादा लोगों की मौत, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी अफ्रीका में हालिया मूसलाधार बारिश और भीषण बाढ़ की घटना में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही बाढ़ की वजह से करीब 3 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। दक्षिणी अफ्रीका के कई हिस्सों में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और भीषण बाढ़ को मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने खतरनाक बना दिया है। इस आपदा में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 3 लाख लोगों को अपना घर छोड़ दूसरी जगह शिफ्ट होना पड़ा है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। सड़क और पुल बहे रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन द्वारा दक्षिण अफ्रीका, मोजाम्बिक और ज़िम्बाब्वे में हुई भारी बारिश का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के अनुसार, इन इलाकों में महज 10 दिनों के भीतर पूरे एक साल के बराबर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके कारण घरों, सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसकी लागत लाखों डॉलर आंकी जा रही है। मोजाम्बिक में कई घर और इमारतें पूरी तरह पानी में डूब गईं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो और म्पुमालांगा प्रांतों तथा ज़िम्बाब्वे के कुछ हिस्सों में सड़कें और पुल बह गए। ला नीना ने बनाया हालत गंभीर रिपोर्ट में बताया गया है कि यह बारिश सामान्य नहीं थी। इतनी तेज बारिश आमतौर पर 50 साल में एक बार होती है, लेकिन अब ऐसे घटनाक्रम ज्यादा हिंसक हो रहे हैं। इस स्थिति को मौजूदा ला नीना मौसम प्रणाली ने और गंभीर बना दिया, जो आमतौर पर इस क्षेत्र में ज्यादा बारिश लाती है, लेकिन इस बार यह ज्यादा गर्म वातावरण में सक्रिय थी। 'बाढ़ में बदल गई बारिश' रॉयल नीदरलैंड्स मौसम विज्ञान संस्थान के जलवायु शोधकर्ता और अध्ययन के सह-लेखक इज़िदीन पिंटो ने कहा कि जीवाश्म ईंधनों के लगातार इस्तेमाल से अत्यधिक बारिश की तीव्रता बढ़ रही है। हालिया बारिश की तीव्रता में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी को जलवायु परिवर्तन के बिना समझाना संभव नहीं है। उनके अनुसार, जो बारिश पहले भी गंभीर होती, वह अब एक विनाशकारी बाढ़ में बदल गई है, जिससे निपटने के लिए लोग तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिकों के लिए भी इस बार की बाढ़ की तीव्रता चौंकाने वाली रही। मोजाम्बिक मौसम सेवा के शोधकर्ता बर्नार्डिनो न्हातुम्बो ने बताया कि कुछ इलाकों में दो से तीन दिनों में उतनी बारिश हो गई, जितनी पूरे बरसाती मौसम में होती है। उन्होंने कहा कि मोजाम्बिक नौ अंतरराष्ट्रीय नदियों के निचले हिस्से में स्थित है, इसलिए भारी बारिश के साथ-साथ नदियों के तेज बहाव ने भी तबाही बढ़ा दी। मोजाम्बिक के कई हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित इस आपदा से मोजाम्बिक के मध्य और दक्षिणी हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए।

सीबीआई ने कोलकाता के कई ठिकानों पर की छापेमारी, 1000 करोड़ रुपये का है बैंक धोखाधड़ी मामला

कोलकाता (एजेंसी)। सीबीआई ने कोलकाता के कई इलाकों में करीब 1,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में तलाशी अभियान शुरू किया। यह कार्रवाई कोलकाता स्थित एक वित्त कंपनी और उसकी सहयोगी फर्म के प्रमोटरों के कार्यालयों और आवासों पर की गई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को कोलकाता के कई स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। यह तलाशी लगभग 1,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच के सिलसिले में है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि कोलकाता स्थित एक वित्त कंपनी के

प्रमोटरों के कार्यालयों और आवासों पर एक साथ तलाशी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर छापेमारी चल रही है। वहां अतिरिक्त केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया, सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक से जुड़े बड़े पैमाने पर बैंक धोखाधड़ी के मामले में अलीपुर समेत कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बैंक ने पूर्वी कोलकाता स्थित एक वित्त कंपनी पर कर्ज उपलब्ध कराने की आड़ में धन की हेराफेरी करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने जांच शुरू की। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर धन का गबन 2014 से 2020 के बीच हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोप वित्त कंपनी के दो निदेशकों और उसकी एक सहयोगी फर्म के खिलाफ हैं। दोनों संस्थाओं ने कर्ज के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से संपर्क किया था। अपने आवेदनों के समर्थन में दस्तावेज जमा किए थे। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि बैंक की शिकायत के अनुसार, कंपनियों में से एक ने शुरू में 730.82 करोड़ रुपये का अग्रिम लिया, जबकि सहयोगी फर्म ने 260.20 करोड़ रुपये का ऋण लिया। इसके साथ ही अतिरिक्त कर्ज भी चरणबद्ध तरीके से स्वीकृत किए गए थे।

बारामती विमान हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन

उड्डयन मंत्री बोले- रिपोर्ट का इंतजार

बारामती (एजेंसी)। 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई। हादसे की जांच के लिए सिविल एविएशन मंत्रालय ने तीन सदस्यीय AAIB टीम का गठन किया है जिसने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सिविल एविएशन मंत्रालय ने 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, अअक्ष की टीम ने मुंबई कार्यालय के DGCA की तीन सदस्यीय टीम के साथ हादसे वाले दिन ही दुर्घटना स्थल पर जाकर जांच शुरू कर दी। इस दौरान अअक्ष के महानिदेशक ने भी जहाज के घटनास्थल का दौरा किया। बता दें कि इस हादसे में राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और अन्य चार लोगों की मौत हुई है। ब्लैक बॉक्स बरामद घटनास्थल की जांच के बाद अधिकारियों ने बताया कि कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर, जिन्हें ब्लैक बॉक्स कहा जाता है, बरामद कर लिए गए हैं। इनकी जांच से ही पता चलेगा कि यह बड़ा हादसा कैसे हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शुरूआती जांच में टीम मुख्य रूप से विजिबिलिटी की स्थिति, पायलट के निर्णय और बारामती जैसे अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड पर संचालन की सीमाओं पर ध्यान दे रही है। टीम ने फॉरेंसिक प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं, जिनमें विमान का मलबा सुरक्षित करना और महत्वपूर्ण साक्ष्य इकट्ठा करना शामिल है। टीम ने मांगे कई अहम रिकॉर्ड टीम ने एयरफ्रेम और इंजन लॉगबुक, रखरखाव रिकॉर्ड, निरीक्षण इतिहास, वर्क ऑर्डर और ऑनबोर्ड दस्तावेज दिल्ली स्थित शरफ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड से मांगे हैं। DGCA से क्रू की योग्यता रिकॉर्ड और विमान प्रमाणन दस्तावेज भी प्राप्त किए जा रहे हैं। सिविल एविएशन मंत्रालय के अनुसार, विमान सुबह 8:10 बजे मुंबई से रवाना हुआ और 8:18 बजे बारामती एयरफील्ड से संपर्क स्थापित किया। रनवे 11 पर पहली अप्रोच के दौरान, क्रू ने बताया कि रनवे दिखाई नहीं

दे रहा है और उन्होंने स्टैंडर्ड गो-अराउंड किया। इसके बाद विमान ने दोबारा पोजिशनिंग के बाद एयरफील्ड को सूचित किया कि जब रनवे दिखाई देगा, तब रिपोर्ट करेंगे। 8:43 बजे विमा को लैंडिंग की अनुमति दी गई, लेकिन कोई फीडबैक प्राप्त नहीं हुआ। लगभग एक मिनट बाद, एयरफील्ड कर्मियों ने रनवे थ्रेशोल्ड के पास आग देखी और कंट्रोल रूम को सूचित किया। 'जल्दबाजी में कुछ कहने से बचना चाहिए' केंद्रीय सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि प्रारंभिक संकेत खराब विजिबिलिटी की ओर इशारा करते हैं, लेकिन जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'AAIB सक्षम प्राधिकरण है और पारदर्शी एवं उत्तरदायी जांच के माध्यम से तथ्य स्थापित करेगा।' DGCA ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि क्रू को विजुअल मौसमीय परिस्थितियों (श्टउ) में उतरने की सलाह दी गई थी, जिसमें अनुमानित दृश्यता लगभग 3,000 मीटर और हवा शांत थी। 'विमान का रखरखाव सही' वहीं, शरफ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विजय कुमार सिंह ने कहा कि विमान का रखरखाव सही था और यह उड़ान के योग्य था। उन्होंने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार कोई तकनीकी दोष नहीं था। पायलट ने विजिबिलिटी के कारण मिस्ड अप्रोच लिया और दूसरी लैंडिंग का प्रयास किया। जिससे यह दुर्घटना हुई।' सिंह ने बताया कि विमान के कप्तान के पास 16,000 घंटे से अधिक के उड़ान का अनुभव था, जबकि सह-पायलट के पास लगभग 1,500 घंटे का अनुभव था।

आठ साल बाद चीन पहुंचे ब्रिटिश प्रधानमंत्री, कई समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद

बीजिंग (एजेंसी)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की है। आठ साल बाद हुई इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के खराब रिश्तों को सुधारना और व्यापार को बढ़ाना है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की बीजिंग यात्रा के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी चीन पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने गुरुवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक की। पिछले आठ वर्षों में किसी ब्रिटिश

प्रधानमंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। इस यात्रा से दोनों देश लंबे समय से चली आ रही कड़वाहट को खत्म कर आपसी संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कई अहम मुद्दे पर हुई बात कीर स्टार्मर ने बीजिंग के 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी जिनपिंग से बातचीत की। उम्मीद जताई जा रही है कि इस मुलाकात के बाद दोनों देश कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टारमर का यह पहला चीन दौरा है। उनका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश कंपनियों के लिए व्यापार के नए अवसर तलाशना है, क्योंकि इस समय ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था काफी धीमी चल रही है। इस यात्रा में उनके साथ 50 से ज्यादा बड़े कारोबारी और सांस्कृतिक संगठनों के नेता भी शामिल हैं। तनाव का कम करने की हो रही कोशिश शी जिनपिंग से मिलने से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के चेयरमैन झाओ लेजी से भी मुलाकात की। पिछले कुछ वर्षों में ब्रिटेन और चीन के रिश्तों में काफी तनाव रहा है।

भारत और यूरोपीय संघ के समझौते से अमेरिका को लगी मिर्ची; ट्रंप के मंत्री ने बताया बेहद निराशाजनक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को निराशाजनक बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप ने यूक्रेन की मदद के बजाय व्यापार को चुना है। बेसेंट के कहा, यूरोप भारत के जरिए रूसी तेल खरीदकर युद्ध को बढ़ावा दे रहा है, जबकि अमेरिका ने भारत पर कड़े टैक्स लगाए हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए नए व्यापार समझौते की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यूरोप ने यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा और चिंता को छोड़कर व्यापारिक मुनाफे को ज्यादा महत्व दिया है। एक न्यूज चैनल से बातचीत में बेसेंट ने यूरोपीय संघ के इस रुख पर गहरी निराशा जताई। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन में जारी भीषण युद्ध के बावजूद यूरोप ने अपने आर्थिक हितों को प्राथमिकता दी है। व्यापार समझौते से क्या हौगा फायदा? अमेरिका का यह बयान यूरोपीय संघ और भारत के बीच लंबे समय से अटके व्यापार समझौते के पूरा होने के ठीक एक दिन बाद आया है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य आपसी व्यापार को बढ़ाना और अमेरिका पर यूरोप की निर्भरता को कम करना है। इस डील के तहत 96.6 प्रतिशत व्यापारिक सामानों पर आयात शुल्क या तो खत्म कर दिया जाएगा या काफी कम होगा। जानकारों का मानना है कि इस कदम से 2032 तक भारत को होने वाला यूरोपीय निर्यात दोगुना हो जाएगा। इससे यूरोपीय कंपनियों को करीब चार अरब यूरो की बड़ी बचत होने की उम्मीद है। बेसेंट ने लगाया आरोप बेसेंट ने कहा कि इस समझौते से अब यह साफ हो गया है कि यूरोपीय संघ ने पिछले साल भारत पर ऊंचे टैक्स लगाने के अमेरिकी फैसले का समर्थन क्यों नहीं किया था।

भारत ने की गाजा संघर्ष सुलझाने के प्रयासों के लिए अमेरिका की तारीफ, ट्रंप का नहीं किया जिक्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। इस्राइल और हमास के बीच चल रही जंग में हजारों की संख्या में लोगों की जान गई है। इस संघर्ष में गाजा पूरी तरह तबाह हो गया। हालांकि अमेरिका के प्रयासों के चलते करीब दो साल से जारी जंग अब थम चुकी है और संघर्ष विराम की घोषणा भी की गई, लेकिन बीच-बीच में बमबारी की घटनाएं सामने आती रहती है। इस बीच गाजा में शांति समझौता दूसरे चरण में पहुंच गया है। ऐसे में भारत ने अमेरिका के इस कदम की सराहना की है। भारत ने गाजा में 'लंबे समय से चले आ रहे' संघर्ष को संबोधित करने के लिए अमेरिका की तारीफ की। नई दिल्ली ने इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल ही में हुई प्रगति पर ध्यान दिया। जिसमें बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवथानेनी हरीश ने हिस्सा लिया। परवथानेनी हरीश ने मध्य पूर्व की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल ही में हुई प्रगति पर भारत का ध्यान है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में अपनाए गए

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की 'गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना' का समर्थन किया, जिसमें कहा गया है कि 'गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा' और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा। इस प्रस्ताव में एक 'शांति बोर्ड' (बीओपी) की स्थापना का भी स्वागत किया गया, जो एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व वाला संक्रमणकालीन प्रशासन होगा और व्यापक योजना के अनुसार गाजा के पुनर्विकास के लिए ढांचा तैयार करेगा और वित्तपोषण का समन्वय करेगा। हरीश ने कहा कि गाजा का पुनर्निर्माण और आर्थिक सुधार व सार्वजनिक सेवाओं और मानवीय सहायता की बहाली एक अत्यंत कठिन कार्य है, जिसके लिए फलस्तीनी भाइयों और बहनों के दर्द और पीड़ा को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के निरंतर समर्थन और प्रतिबद्धता की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'साथ ही, हमें यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि आतंकवाद का सभ्य समाजों में कोई स्थान नहीं है और इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की जानी चाहिए।' इस बात पर जोर देते हुए कि गाजा में आवश्यक पुनर्निर्माण का पैमाना बहुत बड़ा है भारत ने कहा कि यूएनओपीएस (संयुक्त राष्ट्र परियोजना सेवा कार्यालय) का अनुमान है कि गाजा में 60 मिलियन टन मलबा है। उन्होंने ने कहा, 'मलबे में हानिकारक पदार्थ भी मौजूद हैं। इसलिए इस स्थिति से निपटने में पारंपरिक पुनर्निर्माण मॉडल सीमित साबित होंगे। तकनीकी सटीकता के साथ एक नवीन दृष्टिकोण की आवश्यकता है।' भारत ने आगे कहा कि गाजा में मानवीय स्थिति में क्रमिक सुधार हुआ है, लेकिन भीषण सर्दी और विनाश की व्यापकता इस कार्य को कठिन बनाए हुए है। इसी के साथ भारत ने सुरक्षित मानवीय सहायता पहुंचाने की अपनी अपील भी दोहराई।

उड़ान के कुछ मिनट बाद हुआ क्रैश, वेनेजुएला के पास पहाड़ियों में समाई 15 जिंदगियां

बोगोटा (एजेंसी)। कोलंबिया की एयरलाइन साटेना के मुताबिक, ल्ड्ड-4709 रजिस्ट्रेशन वाला बीचक्राफ्ट एयरक्राफ्ट, जिसने कुकुटा-ओकाना रूट पर उड़ान भरी थी, जिसमें 13 पैसेंजर और दो क्रू मेंबर सवार थे, एक हादेस का शिकार हो गया, जिसमें सभी 15 लोगों की मौत हो गई। कोलंबिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित नोर्टे दे सांतांदेर प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में बुधवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह विमान सरकारी एयरलाइन साटेना का था। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले प्रशासन को बताया कि विमान क्यूरासिका नाम के इलाके में गिरा है। इसके बाद तुरंत एक रेस्क्यू टीम को भेजा गया ताकि यात्रियों की स्थिति का पता लगाया जा सके। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची, तो कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर जीवित नहीं बचा। विमान में सवार यात्रियों और क्रू मेंबर्स के नाम यात्रियों में - मारिया अल्वारेज बारबोसा, कार्लोस साल्सेडो, रोलैंडो पेनालोजा ग्वाल्ड्रोन मारिया डियाज रोड्रिगेज, मायरा एवेंडानो रिनकॉन, अनायेसेल क्विंटेरो, करें पैरालेस वेरा एनिरली जूलियो ओसोरियो, गिनेथ रिनकॉन, डायोजनीज क्विंटेरो अमाया, नतालिया अकोस्टा साल्सेडो, माइरा सांचेज क्रिएडो, जुआन पाचेको मेजिया क्रू मेंबर्स में - कैप्टन मिगुएल वेनेगास, कैप्टन जोस डेला वेगा उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद ही अळउ से टूटा संपर्क जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह 11:42 बजे कुकूता शहर के एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उसे ओकान्या शहर जाना था, जो पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है। आमतौर पर यह सफर करीब 40 मिनट में पूरा हो जाता है। उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इस घटना के दौरान विमान में कुल 15 लोग सवार थे, जिनमें दो क्रू मेंबर और13 यात्री शामिल थे। विमान हादसे के कारणों की जांच जारी इन यात्रियों में एक प्रमुख नाम डायोजेनेस क्विंटेरो का भी था, जो अपने इलाके में आंतरिक सशस्त्र संघर्ष के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करते थे। उनकी मौत को लेकर स्थानीय लोगों में काफी दुख और चिंता है।

अमेरिका में दशकों की सबसे लंबी और कड़ाके की ठंड, बफीर्ली सड़कों पर फंसे लोग

50 से ज्यादा मौतें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भीषण ठंड और बफीर्ले तूफान का कहर लगातार जारी है। मिसिसिपी राज्य में कई हाईवे पूरी तरह बर्फ से ढक गए हैं, जिससे सैकड़ों गाड़ियां रास्ते में ही फंस गईं। खासतौर पर इंटरस्टेट-55 हाईवे पर हालात सबसे ज्यादा खराब रहे। यहां रात भर और बुधवार सुबह तक राहत टीमें फंसे हुए लोगों को निकालने में जुटी रहीं। बफीर्ली सड़कों पर फंसे लोग मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स ने सोशल मीडिया पर बताया कि राहत कार्य के लिए टो-ट्रक और ड्रोन भेजे गए हैं ताकि जाम में फंसी गाड़ियों और लोगों की सही स्थिति का पता लगाया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जब तक हालात सामान्य न हों, सड़क पर निकलने से बचें। साथ ही उन्होंने आपातकालीन कर्मचारियों के लिए दुआ करने को कहा, जो ठंड और खतरे के बावजूद लोगों की मदद में लगे हुए हैं। कई राज्यों में आपात हालात, बिजली गुल अमेरिका के पूर्वी हिस्से के ज्यादातर राज्यों में कई दिनों से कड़ाके की ठंड पड़

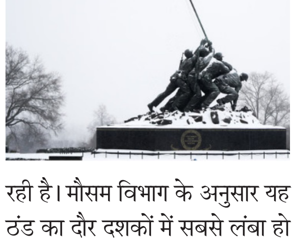

रही है। मौसम विभाग के अनुसार यह ठंड का दौर दशकों में सबसे लंबा हो सकता है। पिछले हफ्ते आए बफीर्ले तूफान के बाद हालात और बिगड़ गए थे। इस ठंड की वजह से मिसिसिपी और टेनेसी में सबसे ज्यादा बिजली संकट है। रिपोर्ट के मुताबिक 3.8 लाख से ज्यादा घरों और दुकानों में अभी भी बिजली नहीं है। अब तक 50 से ज्यादा मौतें ठंड और बफीर्ले मौसम से अब तक कम से कम 50 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें दिल दहला देने वाली घटनाएं भी शामिल हैं। टेक्सास में तीन भाई, जिनकी उम्र 6, 8 और 9 साल थी, जमी हुई झील की सतह टूटने से पानी में गिर गए और उनकी मौत हो गई। वहीं वर्जीनिया में एक छोटे बच्चे की भी इसी तरह तालाब में गिरने के बाद अस्पताल में मौत हो गई। नैशविल में एक लाख घरों में नहीं है बिजली मौसम विभाग ने बताया है कि मिडवेस्ट और नॉर्थईस्ट अमेरिका में बुधवार को भी तापमान शून्य से नीचे ही रहेगा। दक्षिणी राज्यों में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।